ISSN 2349-6614

मार्च 2026

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

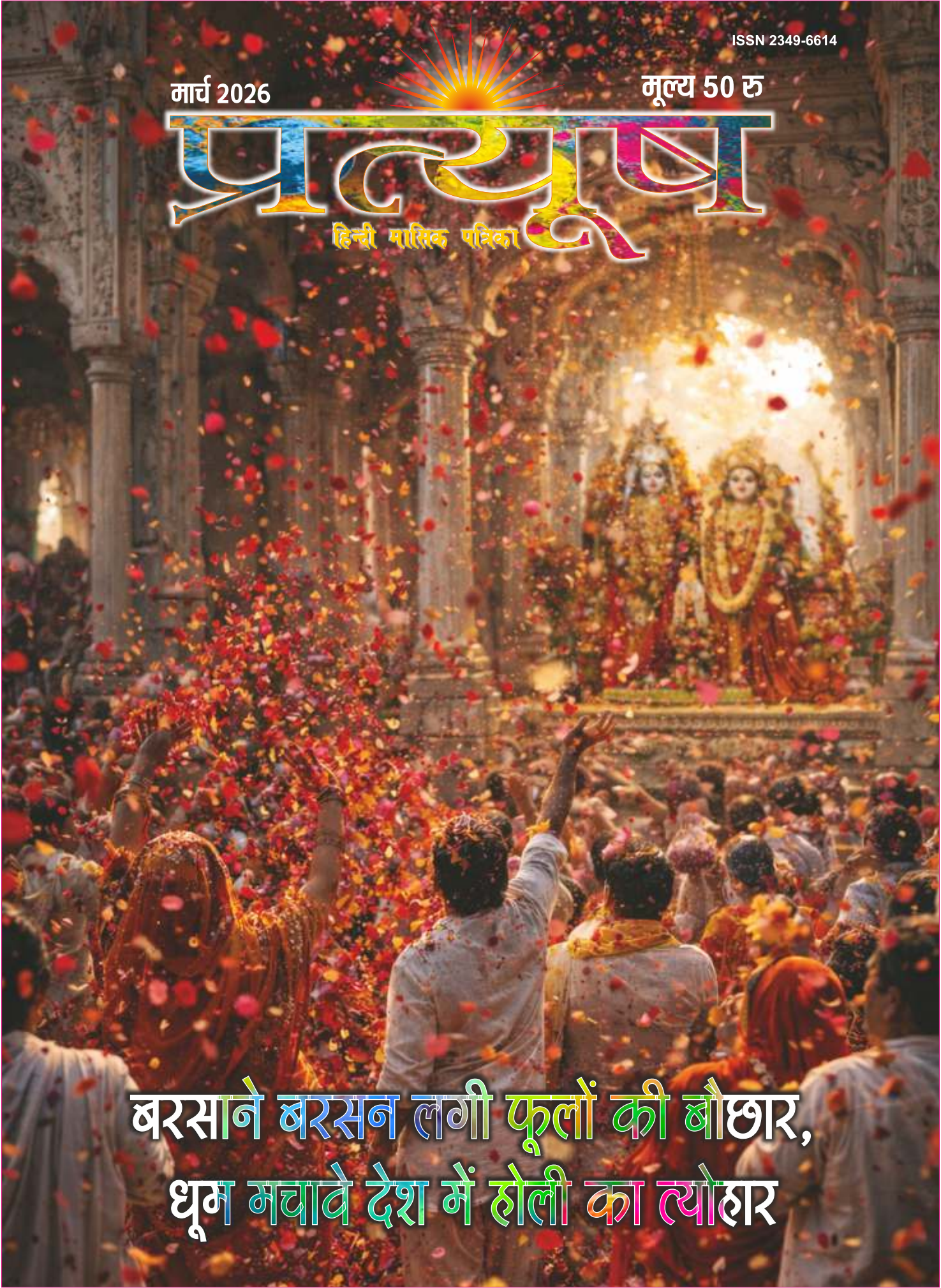

बरसाने बरसन लगी फूलों की बौछार,
धूम मचावे देश में होली का त्योहार

ARENA TRUE VALUE NEXA COMMERCIAL

TECHNOY MOTORS INDIA PVT. LTD.

Contact Mo.: 95303-96802

UDAIPUR | SAGWARA | FATEHNAGAR | BHINDER | REODAR | KHERWARA | CHITTORGARH | JHADOL | JAWAL
SABLA | RAJSAMAND | GOGUNDA | PRATAPGARH | RAILMAGRA | DEOGARH | BHIM | AMET

मार्च 2026 वर्ष: 23 अंक: 11

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

अंदर के पृष्ठों पर...

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

पेज 10

केन्द्रीय बजट

अर्थ व्यवस्था की मज़बूती का संकल्प
लोक लुभावन घोषणाओं से परहेज

पेज 14

चर्चा में चेहरा

असम में निर्णायक होगी
प्रियंका की भूमिका

पेज 20

अनुष्ठान

चैत्रमास: पुरूष-प्रकृति
का रास

पेज 22

खेल-खिलाड़ी

रोहित और हरमनप्रीत
को पद्मश्री सम्मान

पेज 24

चुनौती

मुस्लिम वोट बैंक पर
सियासी महाभारत

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोगाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

Constructing Values
SEMANTICS INFRA PROJECTS

A COMPLETE CONSTRUCTION SOLUTION

Engineering | Procurement | Construction | Project Management Consultancy

CLIENTELE

Sidhartha Marbles & Granites
MARUTI SUZUKI Technoy Motors Pvt. Ltd.
MARUTI SUZUKI Audi Motors Pvt Ltd
GRIL GR Infraprojects Ltd.
Mahindra Daksh Auto India Pvt Ltd
PANDAV GROUP OF INDUSTRIES pure excellence since 1952
RAJASTHAN BARYTES
MAAD
CHOUDHARY OFFSET PVT. LTD. Quality printing is our tradition...
ESPRIT STONES

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY

Spectrum Tech 'N' Fab

A COMPLETE ENGINEERING SOLUTION

Metal Fabrications | Engineering Job | Plant & Machinery
Erection & Certification | Innovative Manufacturing Solution | Engineering Consultancy

CLIENTELE

ADITYA BIRLA UltraTech
PREM MARBLES
WITTY INTERNATIONAL SCHOOL
MAAD
CHOUDHARY OFFSET PVT. LTD. Quality printing is our tradition...
RAJASTHAN BARYTES
Sidhartha Marbles & Granites
TECHNOY MOTORS MARUTI SUZUKI
Mine Infotech
GRIL
HRH Group of Hotels
UDAI KOTHI

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY

।। सिंघवी श्री ।।

Near Thokar Chouraha, Ayad Road
Udaipur, Rajasthan– 313001, INDIA

info@spectrumtechnfab.com spectrumtechnfab@gmail.com www.spectrumtechnfab.com www.singhviindustries.com

SINGHVI GROUP OF INDUSTRIES

SINGHVI CHEMICALS, || SINGHVI AUTOMOBILES, || SUDHA CHEMICALS
SPECTRUM TECH N FAB, || SEMANTIC INFRA PROJECTS

बांग्लादेश में बदलाव

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के पक्ष में दिया गया प्रचंड जनादेश शेख हसीना काल के बाद बांग्लादेश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा सकता है। तारिक रहमान एक प्रमुख राजनेता के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। रहमान सहित 50 सदस्यीय मंत्रिमंडल को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन के दक्षिण प्लाजा में शपथ दिलाई। अपनी कैबिनेट में रहमान ने अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से वरिष्ठ वकील निताई रॉय चौधरी व बौद्ध बहुल चकमा समुदाय से दीपेन दीवान को शामिल कर समावेशी छवि बनाने की कोशिश की है। शपथ समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। उन्होंने रहमान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वह पत्र भी सौंपा जिसमें उन्हें शुभकामनाओं के साथ भारत आने का न्योता दिया गया है। बीएनपी की जीत भारत और बांग्लादेश के बीच शेख हसीना के प्रधानमंत्रित्व काल के घनिष्ट संबंधों पर विराम माना जाना अभी जल्दबाजी होगा। पार्टी के सबसे वरिष्ठ महासचिव मिर्जा फखरूल इस्लाम आलमगीर ने तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह के एक दिन पूर्व मीडिया से कहा कि शेख हसीना की भारत में मौजूदगी या उनके प्रत्यर्पण का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में बाधक नहीं बनेगा। हम भारत के साथ और भी बेहतर संबंध बनाना चाहेंगे। वे भले ही कुछ कहें लेकिन भारत को यह बात नज़र में रखनी होगी कि यह पहली बार है कि वहां मज़हबी ताकतें तेजी से उभरी हैं। इस आम चुनाव में इस्लामिक दलों ने पहले से कहीं अधिक सीटें जीती हैं। उनके वोट शेयर में भी भारी उछाल आया है। वोट प्रतिशत के मामले में इन दलों ने इस बार 38 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर लिया है। अकेले जमात-ए-इस्लामी ने 31 प्र.श. वोट हासिल किए हैं। जबकि 1991 के बाद से किसी चुनाव में यह आंकड़ा कभी 15 प्र.श. से ऊपर नहीं गया।

अवामी लीग की प्रमुख तथा बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगस्त 2024 में छात्र आन्दोलन के बाद सत्ता से अपदस्थ कर दिया गया था, जिसके बाद उनके कट्टर विरोधी और पाकिस्तान परस्त मोहम्मद युनूस ने सेना की सहायता से देश की अन्तरिम सरकार के प्रमुख का पद संभाला।

उन्होंने चीन-पाकिस्तान से नज़दीकियां बढाई। कट्टरपंथियों की कठपुतली बनकर अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले करवाए और उनकी सम्पत्तियां नष्ट की। कईयों को मौत के घाट उतारा गया। वे यहीं नहीं रूके सेना और कट्टरपंथियों के दबाव में आकर शेख हसीना की अवामी पार्टी पर प्रतिबंध लगा कर ही आम चुनाव की घोषणा की।

भारत के लिए बांग्लादेश केवल पड़ौसी नहीं, रणनीतिक साझेदार भी है। करीब 4,000 किमी लंबी साझा सीमा, पूर्वोत्तर भारत के लिए सम्पर्क मार्ग और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे दोनों को जोड़ते हैं।

तारिक रहमान का नेतृत्व एक पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक तो है, लेकिन वंशवादी राजनीति का पोषक भी है। वे बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि बीएनपी की जीत तुलनात्मक रूप से चुनाव मैदान में उतरी पार्टियों में सबसे बेहतर पार्टी की सफलता है। बहरहाल नई सरकार को बढ़ती कट्टरता पर लगाम लगानी होगी। निर्णय इस तरह के हों, जो दक्षिण एशिया में सहयोग व सद्भाव का वातावरण पैदा कर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और प्रतिपक्षी पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नव निर्वाचित प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं देकर भारत के दृष्टिकोण को स्पष्ट कर दिया है। अब यह उन पर निर्भर है कि कैसे वे दोनों देशों में सहयोग व सद्भाव के संबंधों के लिए जरूरी माहौल और ऊर्जा का संचार करते हैं। दोनों देशों ने परस्पर वीजा पर प्रतिबंध हटाकर सकारात्मक संबंधों का संकेत दिया है।

यह सही है कि किसी जमाने में संकीर्णतावादी सोच की खालिदा जिया भारत विरोधी मानी जाती थीं। पाकिस्तान उनकी प्राथमिकता थी। वर्ष 2001 से 2006 के दौरान उनके प्रधानमंत्रित्व काल में आईएसआई की राह पर भारतीय सीमा पर उग्रवादियों के कैंप बनाए गए थे। उनको हथियार भी मुहैया कराए गए थे। नतीजतन, भारत के साथ बांग्लादेश के संबंधों में खटास पैदा हुई। हालांकि, इसका नुकसान भी उन्हें उठाना पड़ा। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि इतिहास से सबक लेकर उनके बेटे उस गलती को न दोहराएं। भारत को भी हालात पर पैनी दृष्टि के साथ संतुलित नीति बनाए रखना होगा, लेकिन जब किसी बात की अति ही हो जाए तो फिर वही करना होता है, जो सामने वाले की समझ में आ जाए।

लापरवाही सरकार की कीमत चुका रही जनता

दूषित जल पीने से इन्दौर में मरने वालों की संख्या हुई 34, अस्पतालों में अब भी जिंदगी की जंग लड़ रहे लोग

देश के सबसे स्वच्छ शहरों में वर्षों से शिखर पर रहे इंदौर में दूषित पेयजल पीने से अनेक लोगों की मौत बहुत दुखद और चिंताजनक है। अब भी कई लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इस त्रासद घटना पर न्यायालय ने भी संज्ञान लेकर यथोचित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

रेणु शर्मा

मध्यप्रदेश के सबसे स्वच्छ शहर का लम्बे अर्से तक अवार्ड प्राप्त करने वाले इन्दौर का जो बदसूरत चेहरा दिसंबर 25 के अंत में सामने आया है, उसे देखकर न केवल प्रदेश बल्कि समूचा देश क्रोधित है। दूषित जल पीने से वहां फरवरी 26 के मध्य तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है, अनेक लोग आज भी अस्पतालों में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। कहा तो यह जा रहा है कि भागीरथपुरा में एक पुलिस चौकी के पास नर्मदा से पेयजल आपूर्ति की मुख्य पाइपलाइन में उस जगह लीकेज मिला है जिसके ऊपर एक शौचालय बना है। दावा है कि इस लीकेज के कारण ही पेयजल दूषित हुआ।

लोगों ने इस पानी का सेवन शायद इसलिए भी कर लिया कि साफ और गंदे पानी में फर्क करना मुश्किल था। सवाल है कि अगर आम लोग पेयजल के लिए पानी की आपूर्ति पर निर्भर हों, तो उनके पास गंदा और दूषित पानी पहुंचने की जिम्मेदारी किसकी है! लोगों की मौत के मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने गलती मानते हुए आनन-फानन में कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन यह साफ है कि संबंधित महकमों की नींद तभी खुलती है, जब कोई बड़ा नुकसान हो चुका होता है। यों, देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है, लेकिन ऐसा लगता है कि आम लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है और इस क्रम में उनकी सेहत के साथ क्या होता है, इसकी परवाह शायद किसी को नहीं है।

इंदौर में दूषित पेयजल प्रदाय से हुई दुखद घटना के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उपरांत हम राज्य के अन्य स्थानों के लिए भी सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

–मोहन यादव, मुख्यमंत्री

2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुई मौतें हमारे प्रदेश, हमारी सरकार और हमारी पूरी व्यवस्था को शर्मिंदा और कलंकित कर गई। जिंदगी की कीमत दो लाख रूपए नहीं होती क्योंकि उनके परिजन जीवन भर दुःख में डूबे रहते हैं। सरकार को इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा, पीड़ितों से माफी मांगनी होगी और नीचे से लेकर ऊपर तक जो भी अपराधी हैं उन्हें अधिकतम दंड देना होगा।

–उमा भारती, पूर्व मुख्यमंत्री

विडंबना यह है कि सरकार का मकसद प्रचार के लिए किसी शहर की स्वच्छता के तमगे हासिल करना रह गया लगता है। सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर में अगर कुछ लोगों को जहरीला पानी पीने पर मजबूर होना पड़ा, तो इस विरोधाभासी हकीकत की पड़ताल करने की जरूरत है कि ऐसे तमगे जारी किए जाने के पैमाने क्या हैं? पीने का पानी सबसे बुनियादी जरूरत है, जिसके बिना ज्यादा वक्त तक नहीं रहा जा सकता। सरकार देश भर में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना के तहत सबको स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने का दावा करती है। मगर इस दावे की हकीकत अक्सर सामने आती रहती है, जब किसी इलाके में भूजल सूख जाने तो कहीं पीने के पानी के लिए लोगों के जद्दोजहद करने की खबरें आती हैं। जहां पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था है भी, अगर वहां यह सेहत पर जोखिम से लेकर जानलेवा होने तक के खतरे से बची नहीं है, तो इसे कैसे देखा जाए? मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इन्दौर पीठ ने 27 जनवरी को एक न्यायिक आयोग गठित कर दिया है, जो दूषित पानी पीने से हुई मौतों के मामले की भी जांच करेगा। इसका नेतृत्व हाई कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश करेंगे और मार्च के पहले सप्ताह में रिपोर्ट देनी होगी।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

77 वें गणतंत्र दिवस

26 जनवरी

के पावन पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

राज्य स्तरीय मुख्य समारोह

26 जनवरी, 2026 | प्रातः 9:30 बजे | **सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर**

आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

"प्रदेशवासियों को **77 वें गणतंत्र दिवस** के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। देशभर में 'वंदे मातरम' राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर उत्सव भी मनाए जा रहे हैं। आइए, इस अवसर पर हम विकसित भारत की दिशा में कदम से कदम मिलाते हुए समृद्ध राजस्थान का निर्माण करें। जय हिन्द!"

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

यूजीसी के नए नियम विभाजनकारी

- कई प्रावधान अस्पष्ट, दुरुपयोग संभव, पूरे देश में विरोध से सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक
- 19 मार्च को फिर होगी सुनवाई
- फिलहाल 2012 के नियम ही लागू

23 जनवरी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम 2026 के अधिसूचित होने पर पूरे देश में भारी आक्रोश फैला देशभर में इसके विरोध में आंदोलन हुए और इसे मनमाना, भेदभावपूर्ण और संविधान के साथ-साथ यूजीसी एक्ट-1956 का खुला उल्लंघन करार दिया गया। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में कुछ याचिकाएं भी दाखिल हुई, जिनमें स्पष्ट कहा गया कि नए नियम सामान्य वर्गों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उनके तर्क को गंभीरता से लिया और नियमों पर अस्थाई रोक लगा दी।

एन.के. शर्मा

उच्चतम न्यायालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के उच्च शिक्षा संस्थानों में तथाकथित समानता को बढ़ावा देने वाले नियम 2026 पर अगले आदेश तक रोग लगा कर देश को भयावह हालात से बचा लिया है। न्यायालय ने इन नियमों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके कई प्रावधान अस्पष्ट हैं, जिनका दुरुपयोग किया जा सकता है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि इन नियमों का समाज और शैक्षणिक परिसर पर विभाजनकारी प्रभाव पड़ सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन नियमों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली तीन रिट याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केन्द्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि नोटिस का जवाब 19 मार्च तक पेश किया जाए। अदालत ही तय करेगी कि ये नियम मान्य हैं या नहीं। पीठ ने इन नियमों पर रोक लगाने के साथ आदेश दिया कि वर्ष 2012 में जो नियम थे, वही अब फिर से लागू होंगे। अदालत का यह निर्णय जहां लोकतंत्र में न्यायालय की भूमिका को रेखांकित करता है, वहीं शिक्षा नीति निर्माण में सतर्कता बरतने का संकेत भी देता है। ताकि समावेशी विकास हो न कि नया सामाजिक विभाजन पैदा किया जाए। नए नियम इसके कारण निशाने पर हैं कि वे बदले की कार्रवाई का जरिया बन सकते हैं। इसकी बड़ी वजह नए नियमों में भेदभाव को स्पष्ट रूप से परिभाषित न किया जाना तो है ही, झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई न करने का प्रावधान भी है। इन नियमों को लेकर हो रहे विरोध का दायरा बढ़ता ही जा रहा था। हालात बेहद चिंताजनक हो सकते थे, जिन्हें नियमों पर अस्थाई रोक लगाकर उच्चतम न्यायालय ने फिलहाल संभाल लिया है। यूजीसी के नए नियमों के अनुसार सभी शिक्षा संस्थानों को समानता अवसर केन्द्र बनाने होंगे, जिनमें एससी-एसटी के साथ ओबीसी वर्ग के छात्र, कर्मचारी और शिक्षक भी अपने खिलाफ जातिगत आधार पर हो रहे भेदभाव की शिकायत कर सकते हैं। पहले के नियमों में केवल एससी-एसटी वर्ग के छात्र ही शामिल थे। यूजीसी के नए नियमों के तहत नस्ल, पंथ, क्षेत्र, जेंडर, दिव्यांगता आदि के आधार पर भी किए जाने वाले भेदभाव के खिलाफ शिकायत की जा सकती है। विरोधियों का तर्क है कि इन आधारों पर तो किसी भी वर्ग के छात्र, कर्मचारी या शिक्षक के खिलाफ भेदभाव हो सकता है। चूंकि यह तर्क निराधार नहीं, इसलिए यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि नए नियम केवल एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों के लिए ही नहीं हैं। आखिर नए नियमों में यह प्रावधान शामिल करने में क्या कठिनाई है कि किसी भी वर्ग का छात्र, कर्मचारी या शिक्षक अपने खिलाफ भेदभाव की शिकायत कर सकता है? ऐसे किसी प्रावधान के न होने से यह ध्वनित हो रहा है कि भेदभाव तो केवल सामान्य वर्ग के लोग ही करते हैं। क्या इस धारणा को सही कहा जा सकता है? यूजीसी के नए नियमों को लेकर यह भ्रम भी दूर किया जाए कि समानता अवसर केन्द्रों के सदस्य केवल आरक्षित वर्गों के लोग ही होंगे। इसके साथ ही सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि नए नियमों में झूठी शिकायत करने वालों को हतोत्साहित या फिर आवश्यक हो तो दंडित करने के भी उपाय किए जाएं, ताकि ऐसी शिकायतें न की जा सकें।

याचिकाओं में चिंता

- याचिका में जाति-आधारित भेदभाव की अलग परिभाषा की आवश्यकता पर सवाल उठाया गया, जबकि भेदभाव की सामान्य परिभाषा पहले से मौजूद है। इसमें रैगिंग पर प्रावधानों की पूरी तरह अनुपस्थिति की कड़ी आलोचना की गई।
- ये नियम एकता को बढ़ावा देने के बजाय छात्रों को जाति के आधार पर विभाजित कर सकते हैं।
- पीठ ने सुझाव दिया कि नियमों पर प्रतिष्ठित न्यायविदों की एक समिति द्वारा फिर से विचार किया जाना चाहिए जो सामाजिक वास्तविकताओं और मूल्यों को समझते हैं।

क्या हम प्रतिगामी हो रहे?

ऐसे नियम जातिविहिन समाज की दिशा में हुई प्रगति को खत्म कर सकते हैं। जातिविहिन समाज की ओर बढ़ने में हमने जो कुछ भी हासिल किया है, क्या अब हम प्रतिगामी हो रहे हैं?

–सूर्यकांत, मुख्य न्यायाधीश

Welcome in the world of comfort

SUNIL GARMENTS

SUNIL TEXTILES

Dangi Saree's

With an exclusive range of

- Suiting
- Shirting
- Suitlengths
- Shawls
- Blankets
- Bedsheets

Exclusive Readymade Brands

- Kurtis

Party Wear

- Sarees & Lehangas

61, NORTH SUNDERWAS, UDAIPUR : 9414169044

अर्थ व्यवस्था की मज़बूती का संकल्प लोक लुभावन घोषणाओं से परहेज

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को संसद में वर्ष 2026-27 के लिए पेश आम बजट बहुत ही चतुराई से तैयार किया गया है। इसका स्पष्ट संदेश है कि लोग अपने आर्थिक फैसले बहुत सावधानी से लें। जो लोग बजट से कुछ ज्यादा पाने की उम्मीद लगाए बैठे थे, उन्होंने इस बात पर जरूर ध्यान दिया होगा कि सरकार की लोक लुभावन घोषणाएं महज बजट की मोहताज नहीं हैं। दूसरी ओर विपक्ष ने इसे निराशा जनक बताते हुए कहा कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ भी नहीं है।

गौरव शर्मा

केंद्रीय बजट साफ संकेत देता है कि भारत अब रुकने वाला नहीं है। बजट में सबसे प्रशंसनीय पहल यह है कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 ट्रिलियन कर दिया गया है। अपनी ओर से भी सरकार ने पूंजीगत व्यय बढ़ाकर निजी क्षेत्र को प्रेरित किया है। एक सड़क भी बनती है, तो उससे अनेक उद्योगों को बल मिलता है, रोजगार बढ़ता है। भारत का बुनियादी विकास अगर तेजी से होता रहेगा, तो व्यापकता में उसके विकास का रथ कहीं नहीं थमेगा। शहर विकास से लेकर पर्यटन विकास तक और शिक्षा से स्वास्थ्य तक किए गए प्रयास सराहनीय हैं। बजट 2026 के प्रस्ताव आम आदमी को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्रभावित करेंगे। आयकर स्लैब में पिछली बार ही भारी बदलाव हुआ था, तो इस बार उसमें बदलाव की बहुत उम्मीद थी भी नहीं। कर सुधार और कर रियायत, दो ऐसे मोर्चे हैं, जिन पर बजट में प्रक्रियागत सुधार किए गए हैं। सुधारों का लाभ निवेश को मिलना चाहिए।

हालांकि बजट में न तो कर ढांचे में राहत की घोषणा की गई, न ही महंगाई के मोर्चे पर ऐसा कोई संकेत मिला। बचत योजनाओं को लेकर ऐसी कोई नीतिगत घोषणा सामने नहीं आई, जिससे संचय को प्रोत्साहन मिले। महंगाई पर सीधे-सीधे राहत देने का कोई प्रावधान नहीं है। बजट में मध्यम वर्ग परिवारों के लिए किसी अलग योजना का प्रावधान नहीं है। वित्त मंत्री ने अपने पिछले बजट भाषण में 'मध्यम वर्ग' शब्द का सात बार उल्लेख किया था, इस बार के बजट भाषण में मध्यम वर्ग का कोई जिक्र नहीं था।

वेतनभोगी वर्ग के लिए उनकी एकमात्र घोषणा है सरलीकृत आयकर प्रपत्र और नियम। प्रपत्रों को इस प्रकार से तैयार किया गया है कि आम नागरिक बिना किसी कठिनाई के उनका पालन कर सकें। पिछले साल नई आयकर व्यवस्था के तहत आय करदाताओं को 12 लाख रुपए सालाना कमाई पर छूट की घोषणा की गई थी। कई लोगों को उम्मीद थी कि इस साल यह सीमा बढ़कर 14 लाख रुपए हो जाएगी, लेकिन कोई बदलाव नहीं। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीए) और इक्विटी लिंक्ड बचत योजना (ईएलएसएस) जैसी योजनाओं में निवेश पर नई आयकर व्यवस्था के तहत कर छूट मिलने की उम्मीद थी, जो नहीं हुआ। कर छूट केवल पुरानी आयकर व्यवस्था में ही लागू है, जहां धारा 80 सी के तहत निवेश पर 1.5 लाख रुपए तक की छूट मिलती है। मान्यता प्राप्त भविष्य निधि (आरपीएफ) के प्रावधान युक्तिसंगत हैं जिनमें नियोक्ता अंशदान पर समानता-आधारित और प्रतिशत-आधारित सीमा हट जाएगी।

बजट की मुख्य बातें

किसानों के लिए

1. ग्रामीण इलाकों में एक जिला–एक उत्पाद योजना को मज़बूती। उत्पादन, प्रशिक्षण और बाजार को बढ़ावा।
2. खादी और हथकरघा को मजबूत करने के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल ।
3. तटवर्ती क्षेत्र के किसानों के लिए नारियल संवर्धन योजना।
4. बादाम और अखरोट की पैदावार बढ़ाना।
5. 2030 तक काजू और कोको को प्रीमियम ग्लोबल ब्रांड बनाना।

नौकरीपेशा के लिए

1. आयकर में कोई नई छूट नहीं। ढांचे में बदलाव भी नहीं।
2. नया आयकर कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। आसान फार्म ।
3. संशोधित रिटर्न भरने के लिए तीन महीने का ज्यादा समय।
4. अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक संशोधित रिटर्न भर सकेंगे।

मध्यम वर्ग के लिए

1. कुरियर से सामान भेजना सस्ता।
2. कैंसर की 17 दवाइयां सस्ती, सीमा शुल्क नहीं।
3. सात दुर्लभ बीमारियों के लिए विदेश से मंगाई जाने वाली दवाएं भी सस्ती।
4. पांच लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर–2 और 3 के शहरों के विकास के लिए 11.2 लाख करोड़।

पक्ष

यह वर्तमान के सपने साकार करता है और भारत के उज्जवल भविष्य की नींव सशक्त करता है। बजट 2047 के विकसित भारत की ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और सुधारों की यात्रा मजबूत करता है।

–नरेंद्र मोदी,
प्रधानमंत्री

गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं समेत समाज के हर वर्ग की भलाई सुनिश्चित करने वाला बजट है। यह पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोगों के अटूट भरोसे को दिखाता है। जिस तरह से भारत की अर्थव्यवस्था लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, उससे संकेत मिलता है कि जीएसपी और जीडीपी लगातार मजबूत हो रहे हैं।

नितिन नबीन
अध्यक्ष, भाजपा

प्रतिपक्ष

बजट में देश के वास्तविक संकटों पर ध्यान नहीं दिया गया है। युवाओं के पास नौकरी नहीं है, विनिर्माण गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं, किसान संकट में हैं।

–राहुल गांधी,
नेता प्रतिपक्ष

बजट समझ से परे है। इसमें नौकरी या रोजगार नहीं दिया गया है। बजट देश के केवल पांच फीसदी लोगों के लिए है।

–अखिलेश यादव,
सांसद, सपा

सरकार के पास नीति, दृष्टि समाधान और राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। बजट में वंचित वर्गों के लिए कोई सहायता नहीं दी गई तथा किसानों की भी उपेक्षा हुई है।

–मल्लिकार्जुन खरगे,
अध्यक्ष, अ.भा.कांग्रेस

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

सौहार्द, सामंजस्य, सहयोग, समरसता और समझदारी ही मुख्य धारा है। इसी का नाम दीन और दुनियादारी है। यही 'ईद' का 'पैगाम' भी है।

ईद मतलब सब्र और दूसरों की खुशी

सूर्यकांत त्रिवेदी

किसी का दीन देखना है, तो तो उसकी दुनियादारी में देखो। दुनियादारी देखनी हो तो उसके अखलाक में देखो। दुनिया देखनी है, तो इल्म में देखें। इल्म देखना है, तो उसके समाज में देखो। समाज देखना है, तो उसके सपनों में देखो। मकबूल शायर और आलिम जनाब हफीज मेरठी की ये बातें बरबस याद आ जाती हैं। पैगाम-ए-इलाही और पैगाम-ए-ईद क्या है? यदि एक शब्द में कहें, तो निश्चित रूप से इकरा है। इकरा यानी पढ़ो। जब तक पढ़ोगे नहीं, तब तक न तो दुनिया जानोगे और न ही दुनियादारी। इसलिए कुरआन-ए-पाक की पहली नसीहत भी है पढ़ो। एक हदीस में तो यहां तक फरमाया गया है कि हर चीज का एक रास्ता है और जन्नत का रास्ता इल्म है। हदीस का यह भी हुक्म है कि एक पल के लिए इल्म का पढ़ना और पढ़ाना रातभर की इबादत से बेहतर है। मकसद साफ है, ईद की असली खुशी केवल गले लगना, मुबारक बाद देना नहीं,बल्कि पढ़ना और पढ़ाना भी है। अब पढ़ें क्या? उलेमा की नजर में सभी कुछ जो तुम हासिल कर सकते हो। वह भी जो तुम हासिल नहीं कर सकते। वर्तमान में इस्लामी शिक्षा में सर्वाधिक काम विज्ञान पर हो रहा है। इसके पीछे की वजह है इस्लामी विद्वान यह मानते हैं कि यदि तरक्की करनी है तो विज्ञान को जानना होगा, जिसका हुक्म भी दीन में दिया गया है। प्रकृति, पर्यावरण, खगोल, बह्मांड। सामाजिक विज्ञान पर भी जोर है। दुर्भाग्यवश इन दोनों ही स्थितियों में अभी प्रगति काफी धीमी है। फिर भी उम्मीद की जानी चाहिए कि सफलता मिलेगी। सामाजिक विज्ञान की काफी चीजें रमजान की शिक्षा से मिलती है। रमजान रम्ज शब्द से बना है, जिसका अर्थ है सौम यानी संयम। इसी की सीख रमजान में दी जाती है। तुमने खाना-पीना छोड़ा, लेकिन सोहबत (बुराई) नहीं छोड़ी, तो इससे फर्क नहीं कि तुमने रोजा रखा। मायने साफ हैं कि बुराइयों से तौबा, झूठ बोलने से तौबा, किसी के साथ ज्यादती करने पर तौबा। किसी का हक मारने पर तौबा, किसी को दुख पहुंचाने पर तौबा, किसी के साथ ज्यादती करने पर तौबा। पड़ोसी यदि भूखा है और आप इफ्तार कर रहे हैं या ईद की खुशी मना रहे हैं, तो यह भी सही नहीं। ईद की नमाज पढ़ने जाएं, तो पहले सदका-ए-ईद-उल-फितर अदा करें, ताकि बेबस और लाचार भी ईद की खुशियों में शामिल हो सकें। ईद की खुशी अपनों से नहीं बल्कि सभी में बांटो। ईद की नमाज पढ़ो तो यह मत देखो कि कौन बड़ा है या कौन छोटा। बारगाहे इलाही में एक सफ में खड़े हो जाओ। यह है बराबरी का संदेश। तभी अल्लाहतआला आपको मेहनताना देता है। मेहनताना क्या है? अपना सब्र और दूसरे की खुशी। यही सोशल साइंस है।पढ़ने और पढ़ाने के बीच कुछ विडंबननाएं भी जुड़ी हैं। मुस्लिम समाज में शैक्षिक स्थिति पर गौर करें तो 2011 की जनगणना के मुताबिक, मुस्लिम महिला साक्षरता दर 62.41 प्रतिशत है। हिंदुओं में यही 70.78 प्रतिशत, जैन में 87.66 प्रतिशत, इसाई में 76.78 प्रतिशत, सिख में 71.32 प्रतिशत और बौद्ध में 77.87 प्रतिशत है। शिक्षा में बेशक लड़कियों की प्रारंभिक भागीदारी 6.7 फीसदी से बढ़कर 13.5 फीसदी हो गई है, लेकिन 19 फीसदी लड़कियां अभी भी विवाह के बाद पढ़ाई छोड़ देती हैं। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के हवाले से बात करें, तो मुस्लिम समाज में प्रति व्यक्ति आय सिर्फ 33 रुपए दैनिक है। सरकारी नौकरियों में पांच फीसदी से कम भागीदारी है। आईएएस और आईपीएस केवल तीन फीसदी बनते हैं। रेलवे में 4.5 प्रतिशत तो बैंक में केवल 2.2 फीसदी प्रतिनिधित्व है। हालांकि इसी रिपोर्ट में कुछ संकेत आशावादी है, मलसन सकल नामांकन दर दोगुनी हो रही है। यह रिपोर्ट एक भ्रांति को भी तोड़ती है। मदरसों का नाम आते ही एक बात प्रचारित की जाती है कि मुस्लिम समाज केवल मदरसों पर निर्भर है। ऐसा नहीं है। मदरसों में सिर्फ चार फीसदी बच्चे पढ़ते हैं। सरकारी स्कूलों में 66 प्रतिशत और निजी स्कूल/कॉलेज में यही दर 30 फीसदी है। 14 फीसदी मुस्लिम आबादी का सियासत में दखल बरकरार है, लेकिन नेतृत्व सिमट रहा है। ऐसे में ऊंट किस करवट बैठेगा , अभी कहना मुश्किल है। लेकिन ऊंट करवट जरूर ले रहा है। वर्तमान हालात से दो-दो हाथ करने के लिए नई पीढ़ी मशक्कत के साथ तैयार हो रही है। सभी मदरसे आधुनिक हो गए हैं। वहां दीन के साथ तकनीकी शिक्षा लाजिमी हो गई है। सभी कुछ डिजिटल हो रहा है। पढ़ने और पढ़ाने वाले भी। इसका जीता जागता उदाहरण था- कोरोना काल। उलेमाओं ने ऑनलाइन तकरीरें कीं। जाहिर है, आज सबसे बड़ी जरूरत वक्त के साथ कदमताल की है। हम सबको समझें। सब हमको समझें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

भंवरलाल नागदा
(पूर्व सरपंच, खरका)
Mob. 9460830849
रमेश नागदा
(बीमा अभिकर्ता)
Mob. 9414158306

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

कैलाश नागदा
9799652244
ललित नागदा
9414685029
देवेन्द्र नागदा
9602578599
रवि नागदा
9929966942

रवि मेडिकल स्टोर, उदयपुर

महाराणा भूपाल चिकित्सालय (जनरल हॉस्पिटल)
के सामने, उदयपुर, फोन : 0294-2412464

सम्बन्धित फर्म : रवि मेडिकल स्टोर, सलूम्बर एवं लसाड़िया

दीपक नागदा
मो.: 9602578599

जय इलेक्ट्रीकल्स

लाइट फिटींग एवं इलेक्ट्रीक
सामान के रिटेल
एवं होलसेल विक्रेता

स्वामी नगर, 100 फीट रोड, पानेरियों की मादड़ी, उदयपुर

असम में निर्णायक होगी प्रियंका की भूमिका

असम विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 20 मई को समाप्त होने वाला है। अप्रेल-मई के बीच वहां विधानसभा चुनाव संपन्न होने हैं। भारतीय जनता पार्टी असम में 2016 से लगातार सत्ता में है और तीसरी बार सत्ता हासिल करने की प्रबल दावेदारी पेश कर रही है, जब कि कांग्रेस भी असम में अपना सियासी वनवास खत्म करने के लिए कमर कसी है। उसने प्रियंका गांधी वाड्रा को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरपर्सन बना कर उन पर जिताऊ प्रत्याशियों के चयन की बड़ी जिम्मेदारी डाल दी है।

पंकजकुमार शर्मा

पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को असम में स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरपर्सन बनाना कांग्रेस का एक ऐसा फैसला है जिसे पार्टी के अंदर और बाहर दूरगामी राजनैतिक संकेतों के रूप में देखा जा रहा है। यह पहली बार है जब गांधी परिवार के किसी सदस्य को किसी विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी चुनने का जिम्मा मिला है।

असम का राजनीतिक संदर्भ कांग्रेस के इस फैसले को और अहम बना देता है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की न सिर्फ भाजपा के प्रभावशाली नेताओं में गिनती है, बल्कि वह गांधी परिवार के मुखर आलोचक भी हैं। ऐसे में असम की जिम्मेदारी प्रियंका को देकर पार्टी दिखाना चाहती है कि वह उनके किले में उसी राजनीतिक नेतृत्व को उतार रही है, जिसकी संगठन पर मजबूत पकड़ है। हालांकि कांग्रेस को यह आशंका भी है कि पार्टी के कुछ नेता चुनाव से पहले पाला बदल सकते हैं। पूर्वोत्तर की राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। कांग्रेस इसका खामियाजा पहले भी भुगत चुकी है। इसलिए शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया पर पार्टी आलाकमान का नियंत्रण हो। प्रियंका को लेकर पार्टी इस बात से आश्वस्त है कि वह साफ छवि, वैचारिक प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा रखने वाले नेताओं को ही आगे बढ़ाएंगी ताकि चुनाव बाद टूट-फूट की स्थिति न बने।

डी.के. शिवकुमार और भूपेश बघेल

स्क्रीनिंग कमेटी का काम भले तकनीकी है, लेकिन यह चुनावी राजनीति की निर्णायक प्रकियाओं में से एक है। स्क्रीनिंग कमेटी का मुख्य काम विधानसभा की हर सीट से आने वाले संभावित उम्मीदवारों की छंटनी, उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि, संगठन के प्रति प्रतिबद्धता, सामाजिक स्वीकार्यता और सबसे अहम दलबदल की आशंका को रोकना है। अंतिम मुहर भले ही केन्द्रीय चुनाव समिति लगाती हो, लेकिन सीईसी तक कौनसे नाम पहुंचेगे यह जिम्मा स्क्रीनिंग कमेटी का होता है। प्रियंका के लिए असम नया नहीं है। 2021 विधानसभा में वह भले ही औपचारिक रूप से आगे न दिखी हों, लेकिन रणनीतिक स्तर पर उनकी भूमिका अहम थी। तब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को असम का सीनियर ऑब्जर्वर बनाने का फैसला भी उसी रणनीति का हिस्सा था। इस बार भी भूपेश बघेल और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को असम का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया है। पूर्वोत्तर के इस राज्य में कांग्रेस की स्थिति बहुत कमजोर नहीं है। 2021 के विधानसभा चुनाव में 126 सीटों में से एनडीए को 75 और कांग्रेस गठबंधन को 50 सीटें मिली थीं। वोट प्रतिशत में सिर्फ 1.6 प्रतिशत का अंतर था। एनडीए को 43.9 प्रतिशत और कांग्रेस गठबंधन को 42.3 प्रतिशत वोट मिले थे। इससे पता चलता हैं कि अगर विपक्ष के बीच बेहतर तालमेल हो तो इस बार मुकाबला कड़ा हो सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि असम में प्रियंका की भूमिका निर्णायक होगी।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा

फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट उदयपुर

(कार्यक्षेत्रः- राजस्थान, गुजरात, उत्तरप्रदेश)

फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट (FEEST) उदयपुर कृषि आधारित आजीविका संवर्धन, ग्रामीण विकास, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, क्षमतावर्धन के लिए कार्य कर रही है। संस्था प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में राजस्थान में पानी के पुनर्भरण के लिए संस्था कार्य कर रही है। राजस्थान के पास पूरे भारत की भूमि का 10 प्रतिशत भूभाग है लेकिन भारत में उपलब्ध मीठे सतही जल का मात्र 1.16 प्रतिशत एवम भूमिगत जल का मात्र 1.70 प्रतिशत भण्डार ही राजस्थान के पास है, जो तुलनात्मक रूप से बहुत कम है। पानी को बचाने के प्रयास भारत सरकार एवम राज्य सरकार द्वारा अपने स्तर से किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरकार के साथ कई स्वयंसेवी संस्थाएं एवम कंपनी भी CSR के तहत आगे आ रही हैं और जल संभरण और संरक्षण के कार्य में राज्य सरकार का सहयोग कर रही हैं।

वर्षा जल के पुनर्भरण के लिए वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (आर.जे.फाउंडेशन), सी एस आर अंतर्गत खम्बाती कुआ विकास का मॉडल राजस्थान में प्रथम बार लेकर आये हैं। जिसे धरातल पर उतारने का कार्य फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट उदयपुर (FEEST) द्वारा किया जा रहा है। यह कार्य राजस्थान में प्रथम बार किया जा रहा है जो जयपुर जिले के दुदू ब्लाक में शरू किया गया है। यह क्षेत्र खारा पानी और अधिक टीडीएस वाला क्षेत्र है। यहाँ 5 पंचायतो में वर्तमान में 20 खम्बाती कुएं विकसित किये गए हैं। इस क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हए वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (आर.जे. फाउंडेशन), टीम श्री एस एन भट्ट एंव श्री सौरभ शर्मा द्वारा क्षेत्र का दौरा किया गया और मांग अनुसार 30 कुएं और स्वीकृत किये गए। इन कुओं से प्रतिवर्ष 75 करोड़ लीटर पानी भूमिगत होगा जो इस क्षेत्र के लिए एक वरदान साबित होगा। वर्तमान में विकसित कुओं से 20 गाँवो में भूमिगत पानी में बढ़ोतरी हुई है एंव टीडीएस जो 2500 था जो अभी 600 से नीचे आ चुका है। यह एक सफल तकनिकी मोडल है जो राजस्थान के परिप्रेक्ष में बहुत उपयोगी है । खम्बाती कुआ सोलंकी राजवंश के समय गुजरात के खम्बात क्षेत्र में भूमिगत खारे पानी को वर्षा जल पुनर्भरण से मीठे पानी में बदलने के लिए उपयोग लिया जाता था। इसी मॉडल को लेकर कार्य की शुरूआत से पूर्व उपमुख्यमंत्री राजस्थान डॉ प्रेम चन्द बैरवा जी से चर्चा की गई और उन्होंने इस कार्य को सर्वप्रथम दुदू विधानसभा क्षेत्र से शुरू करने की सहमति प्रदान की। उनकी प्रेरणा से यह बहु उपयोगी कार्य दुदू में सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

57-नाकोड़ा पार्श्वनाथ विला, अम्बेरी-देबारी नेशनल हाइवे, उदयपुर Mo.: 9983191285

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को मानव समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का श्रेय जाता है। उन्होंने धर्म की एक अलग ही परिभाषा दी, लोगों को अहिंसा का पाठ पढ़ाया, नारी का सम्मान और उन्हें बराबरी का दर्जा देना सिखाया। उनके उपदेश आज के संदर्भ में भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने 599ईसा पूर्व में थे।

मानवाधिकारों के प्रणेता

डॉ. दिलीप धींग

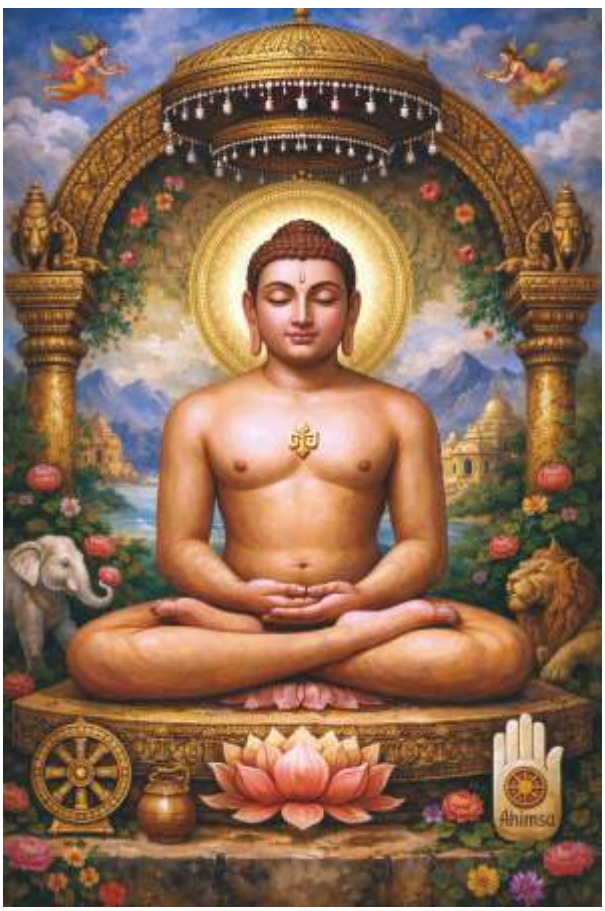

प्राचीन समय से ही विविध प्रकार की सेवाएं करने वाले व्यक्ति राजा और अन्य संपन्न घरानों में नौकरी करते रहे हैं। जैन संस्कृति और सिद्धांतों का यह सुप्रभाव रहा कि नौकरों और दास-दासियों पर होने वाले अत्याचारों के विरुद्ध वातावरण बना। अनुकूल वातावरण में अनेक साधारण व्यक्तियों ने असाधारण ऊंचाइयां प्राप्त की।

वर्धमान महावीर के पिता राजा सिद्धार्थ और उनका परिवार भगवान पार्श्वनाथ का उपासक परिवार था। सिद्धार्थ को जब वर्धमान के जन्म की सूचना मिली तो सूचना देने वाली दासी प्रियंवदा को उन्होंने दासकर्म से मुक्त कर दिया। भगवान महावीर के अनन्य भक्त राजा श्रेणिक ने भी उनके पुत्र जन्म का संवाद देने वाली दासी को दासत्व से मुक्त कर दिया था। जैन ग्रंथ 'व्यवहार भाष्य' के अनुसार एक परिवार के मुखिया ने उसकी दासी की सेवाओं से प्रसन्न होकर उसका मस्तक धोकर उसे दासता से मुक्त कर दिया था। एक बार एक गृहस्वामी उनके घर में दास को पीट रहा था। कुमारावस्था में वर्धमान उस घर के बाहर से जा रहे थे। मानव द्वारा मानव पर हुए इस अत्याचार से वर्धमान का दिल दहल उठा। उनका वैराग्य प्रबलतम हो गया। उन्होंने समाज से इन अत्याचारों को मिटाने का संकल्प किया। भगवान महावीर के द्वारा चंदनबाला का उद्धार दास प्रथा और नारी जाति के साथ हो रहे भेदभाव के विरुद्ध उनकी आध्यात्मिक क्रांति का बहुत बड़ा ऐतिहासिक उदाहरण है। भगवान महावीर के उपदेशों में ये स्वर आज भी गूंजते हैं कि मानव मानव पर कोई अत्याचार न करे, मानव किसी प्राणी पर भी कोई अत्याचार नहीं करें। जैन धर्म और दर्शन आत्मवाद पर खड़ा है। वहां मानववाद, मानवता और मानवीयता का अनुपालन सहज ही उत्कृष्ट रूप में हुआ है। पूर्ववर्ती तेबीस तीर्थंकरों की भांति अंतिम तीर्थंकर महावीर ने भी मानवीय एकता और सामजिक समता की अलख जगाई। उन्होंने मनुष्य को देवता से भी अधिक महत्व दिया। मनुष्य को ही तीर्थ की संज्ञा दी। उन्होंने अपने चतुर्विध संघ में सभी वर्णों, वर्गों और जातियों के व्यक्तियों को आत्मसाधना के लिए समान अवसर प्रदान किए। आचार्य भद्रबाहु ने आचारांग नियुक्ति में मानवीय एकता और मानवीय गरिमा के स्वर को दोहराते हुए कहा- एक मुणस्स जाई, सम्पूर्ण मनुष्य जाति एक है। जैन आगम, साहित्य और इतिहास में मानव और मानवता को महिमान्वित करने वाले अगणित उद्धरण और उदाहरण मिलते हैं। उस समय आज की भांति उद्योग नहीं थे। इसलिए कोई औद्योगिक श्रम कानून, श्रमिक संगठन और न ही किसी मानवाधिकार संगठन या आयोग की जरूरत थी। कई बार लगता है मौजूदा व्यवस्थाओं में एक अंर्तदृष्टि और मनुष्यत्व के दर्शन का अभाव है। क्योंकि यह सब होते हुए भी समस्याएं अनेक रूपों में हमारे सामने उपस्थित हो रही हैं।

तत्कालीन समय में परिस्थितियों के अनुसार अनेक प्रकार की समस्याएं थी। व्यक्ति परिष्कार और हृदय परिवर्तन से उन समस्याओं का प्रभावशाली समाधान भगवान महावीर और उनके अनुयायी कर रहे थे। निम्न जाति के समझे जाने वाले हरिकेशी और कई लोगों को मारने वाले अर्जुन मालाकार ने भी भगवान महावीर की शरण ग्रहण की, अपना जीवन रूपांतरित किया और परमेष्ठी पद पाया। उनका सुस्पष्ट मंतव्य था- घृणा पाप से हो, पापी से नहीं। भगवान महावीर के प्रभाव से लोग मानवाधिकारों और मानवीय मूल्यों का सम्मान करने लगे थे। वस्तुत: भगवान महावीर तो प्राणिमात्र के अधिकारों की रक्षा के मौलिक उपदेशक थे। फलत: उनके उपदेश पथ पर चलने वाले प्राणिमात्र के अधिकारों के प्रति सजग बने। यही वजह है कि भगवान महावीर के दर्शन के परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकारों की व्याख्या सतही न होकर मानवीयता की अतल गहराईयां स्पर्श करती है। फलत: समता और अहिंसा दर्शन की निष्पत्ति स्वरूप हम भगवान महावीर को दास प्रथा मुक्ति के सूत्रधार और मानवाधिकारों की रक्षा के प्रणेता और प्रवक्ता के रूप में पाते हैं। उनके 'जियो और जीने दो' के उद्घोष का समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और पर्यावरण की दृष्टि से अत्यधिक महत्व है।

देवीलाल डांगी,
डायरेक्टर
9414164094,
9001229362

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

चन्दनवाड़ी फार्म

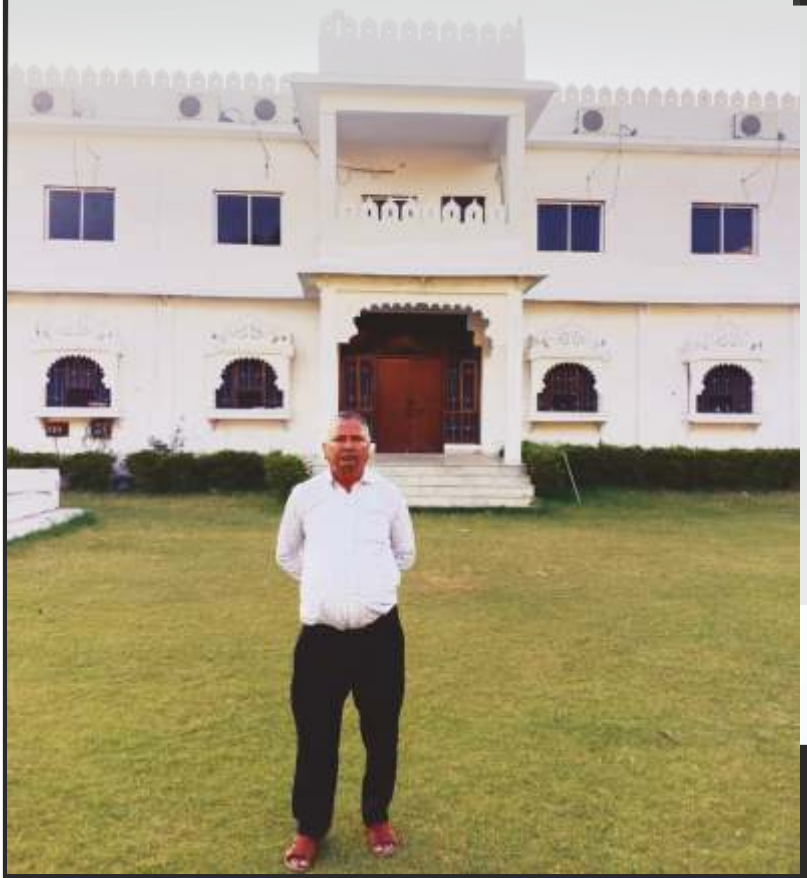

मांगलिक कार्यों हेतु 35000 वर्गफीट का हरा-भरा लॉन,
मनमोहक फव्वारे, आकर्षक विद्युत साज-सज्जा,
पार्किंग की पूरी व्यवस्था,
अत्याधुनिक केटरिंग व्यवस्था,
बर्तन व पुष्प सज्जित स्टेज,
दिनभर पानी,
बंगाली साज-सज्जा व ठहरने की उचित व्यवस्था।

प्रेम नगर, रूप सागर रोड, यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर

करन फार्म

मांगलिक कार्यों हेतु 32000 वर्गफीट का हरा-भरा लॉन, 80 व 60 फीट मेन रोड, आकर्षक विद्युत साज-सज्जा, पार्किंग की पूरी व्यवस्था, अत्याधुनिक केटरिंग, बर्तन व पुष्प सज्जित स्टेज, खाना बनाने हेतु पानी एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध

ठहरने की उचित व्यवस्था

महावीर नगर, न्यू भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

प्रत्यूष

बजट राजस्थान - 2026

इरादे मज़बूत, रणनीति पर सवाल

प्रो. एन.डी. माथुर

बजट पेश करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

राजस्थान बजट 2026-27 राज्य के विकास को नई दिशा देने का प्रयास करता है। बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल ऊर्जा, सूचना-प्रौद्योगिकी और शासन सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया। बजट का कुल आकार लगभग 21.52 लाख करोड़ रखा गया है, जो राज्य की आर्थिक मजबूती, आधारभूत ढांचे के विस्तार और सामाजिक कल्याण योजनाओं को आगे बढ़ाने की मंशा को दर्शाता है। बजट का रुख सकारात्मक है, लेकिन कई क्षेत्रों में रणनीतिक स्पष्टता पर सवाल उठते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने डिजिटल सशक्तीकरण और पारदर्शिता पर जोर दिया है। राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी की स्थापना से प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता आने की उम्मीद है। वहीं विद्यार्थियों को 20,000 तक की लैपटॉप सहायता देने का निर्णय डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देगा। कौशल विकास और भाषा प्रशिक्षण के जरिये युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने की भी बात कही गई है। हालांकि शिक्षा में अधिकांश घोषणाएं तकनीक और उपकरणों तक सीमित नजर आती हैं। शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम की गुणवत्ता और बच्चों के वास्तविक सीखने के स्तर को बेहतर करने के लिए ठोस योजना स्पष्ट नहीं दिखती। बिना मजबूत गुणवत्ता

सुधार के केवल तकनीक से दीर्घकालिक रोजगार के अवसर पैदा करना मुश्किल होगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट का फोकस - सुलभ और त्वरित इलाज पर है। बिना दस्तावेज़ के मुफ्त इलाज, 'राज सुरक्षा' आपात सेवा, टेलीमेडिसिन और कार्डियक सुविधाओं का विस्तार आम लोगों के लिए राहत भरे कदम हैं।

लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था की बुनियादी मजबूती-जैसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या, डॉक्टरों और नर्सों की उपलब्धता, और रोग- निवारण कार्यक्रमों पर स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आती। बजट में स्वास्थ्य को दीर्घकालिक प्रणाली के बजाय अल्पकालिक लाभ योजनाओं के रूप में देखा गया है। ऊर्जा क्षेत्र में 23,000 करोड़ के सौर ऊर्जा पार्क नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देंगे। इसके अलावा युवाओं के लिए 10 लाख तक का ब्याज-रहित ऋण स्वरोजगार को प्रोत्साहित करेगा।

हालांकि आईटी क्षेत्र में सिस्टम सुधार, डेटा सुरक्षा, डिजिटल सामग्री निर्माण और स्थानीय टेक उद्योग को समर्थन जैसे अहम पहलुओं पर स्पष्ट बजटीय विवरण नहीं दिया गया है। इसी तरह प्रदर्शन-आधारित फंडिंग, भ्रष्टाचार नियंत्रण और जवाबदेही के लिए ठोस मापदंडों का अभाव भी खटकता है। बजट 2026-27 में विकास के प्रति सकारात्मक सोच और बड़े इरादे साफ नजर आते हैं। सेवा क्षेत्रों में निवेश से राज्य को नई दिशा मिल सकती है।

(विश्लेषक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं)

नजरिया अपना-अपना

बजट 2026-27 राजस्थान के समग्र एवं सतत विकास को सुनिश्चित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाएगा। यह बजट 8 करोड़ प्रदेशवासियों के प्रति हमारे कर्तव्यों का दस्तावेज है।

–भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

पीएम मोदी के नेतृत्व से प्रेरित हर वर्ग को समर्पित हमारी भाजपा सरकार का यह बजट आमजन को राहत देने का अच्छा प्रयास है।

–वसुंधरा राजे, पूर्व मुख्यमंत्री

किसानों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों, कर्मचारियों और वंचित वर्गों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार बजट इन्फ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों को एक नई दिशा देगा।

–राजेंद्र सिंह राठौड़, पूर्व प्रतिपक्ष नेता

बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और सर्वांगीण विकास की दिशा में अग्रसर करने वाला है। बजट में स्टेट टेस्टिंग एजेंसी की स्थापना का फैसला स्वागत योग्य है।

–मदन राठौड़, अध्यक्ष, प्रदेश भाजपा

व्यापक जनहित में कोई घोषणा नहीं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी नहीं होने से 90 लाख लाभार्थियों में निराशा है। रिफाइनरी और ईआरसीपी का जिक्र तक नहीं।

–अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री

बजट से प्रदेशवासियों में मायूसी है। एक लाख भर्तियां प्रतिवर्ष की घोषणा के अनुरूप नई भर्तियों की घोषणा नहीं हुई। नवीन कॉलेज, चिकित्सालय नहीं खोले।

–गोविंद डोटासरा, पूर्व शिक्षा मंत्री एवं अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कमेटी

बजट नीरस और निराशाजनक है, पिछले दो वर्षों की बीस फीसदी घोषणाएं पूरी हो पाई हैं। रिफाइनरी, इलेक्ट्रिक बसें और स्कूल मरम्मत जैसे वादों पर प्रगति स्पष्ट नहीं है। चिरंजीवी योजना के भुगतान रुकने से लोगों को इलाज में परेशानी हो रही है।

–टीकाराम जूली, नेता प्रतिपक्ष

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

R.C. Financial

EMKAY GLOBAL FINANCIAL SERVICES LTD.

Road No. 3,House No.80 Ashok Nagar,Udaipur- 313001
Ph.: 0294-2428733-36, e-mail: rc@emkayglobal.com

गोपाल काबरा हेमेन्द्र दामावत अंकित पारीख

चैत्रमासः पुरूष-प्रकृति का रास

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से साल का आरंभ माना जाता है। यह सृष्टि का पहला दिन है। परम पुरुष जब अपनी प्रकृति से मिलने आते हैं, तो वह बसंत में चैत्र का माह होता है। उनके मिलन से ही प्रकृति में ऊष्णता, पेड़-पौधों एवं जीव-जंतुओं में नवजीवन का संचार होता है। इसलिए सारा संसार चैत्र का मंगल गीत गाता है। वैष्णव दर्शन में चैत्र मास भगवान नारायण का मास माना जाता है। इस कारण यह शक्ति के आह्वान का पक्ष बन जाता है। इस पक्ष में नवरात्रि की देवी का अनुष्ठान किया जाता है।

पंकजकुमार शर्मा

नवरात्र का आध्यात्मिक दृष्टि से अपना महत्व है। यह प्रकृति और पुरुष के संयोग का भी समय होता है। प्रकृति मातृशक्ति है। इसलिए इस दौरान देवी की पूजा होती है। गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है कि संपूर्ण सृष्टि प्रकृतिमय है और वह सिर्फ पुरुष हैं यानि हम जिसे पुरुष रूप में देखते है, वह भी आध्यात्मिक दृष्टि से प्रकृति यानी स्त्री रूप है।

चैत्र मास से गर्मी की शुरुआत

ज्योतिष की दृष्टि से चैत्र नवरात्र का विशेष महत्व है, क्योंकि इस नवरात्र की अवधि में सूर्य का राशि परिवर्तन होता है। सूर्य 12 राशियों में भ्रमण पूरा करते हैं और फिर से अगला चक्र पूरा करने के लिए पहली राशि मेष में प्रवेश करते हैं। सूर्य और मंगल की राशि मेष दोनों ही अग्नि तत्व वाले हैं। इसलिए इनके संयोग से गर्मी की शुरुआत होती है।

धार्मिक दृष्टि से महत्व

चैत्र नवरात्र का धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है, क्योंकि चैत्र नवरात्र के पहले दिन आदिशक्ति प्रकट हुई थी और देवी के कहने पर बह्माजी ने सृष्टि की रचना का काम शुरु किया था। इसलिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष शुरु होता है।

हवन-पूजन

नवरात्र के समय व्रत और हवन–पूजन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायी हैं। इसका कारण यह है कि चारों नवरात्र ऋतुओं के संधिकाल में होते हैं। यानी इस समय मौसम में बदलाव होता है जिससे शारीरिक और मानसिक बल में कमी आती है। शरीर और मन को पुष्ट और स्वस्थ बनाकर नए मौसम के अनुकूल बनाने के लिए व्रत किया जाता है। ऋतु संधि बेला में व्रत–उपवास से स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में पहला अवतार लेकर पृथ्वी को संरक्षित किया। इसके बाद भगवान विष्णु का सातवां अवतार जो भगवान राम का है, वह भी चैत्र नवरात्र में हुआ था। इसलिए धार्मिक दृष्टि से चैत्र नवरात्र का बहुत महत्व है। नवरात्रि के प्रथम तीन दिन तक महाकाली, फिर तीन दिन महालक्ष्मी की आराधना होती है और आखिरी तीन दिन महासरस्वती की साधना होती है। शक्ति के ये तीन-तीन दिन तामसी, राजसी एवं सात्विक गुणों के अनुरुप हैं। असल में जीवन इन तीन गुणों पर ही चलता है। नवरात्रि में हमारी चेतना तामसी और राजसी गुण के बीच से बहती हुई सात्विक गुण में परिवर्तित होती है। सनातन धर्म में हर पर्व हर मानवीय संबंध को समय-समय पर जाग्रत करता रहा है। दो जाग्रत नवरात्रि चैत्र और आश्विन तथा दो गुप्त नवरात्रि इसीलिए हैं। मां को भूले तो गुरु कुछ नहीं कर पाएगा। मां तो पहली गुरु है। प्रकृति मां है, तभी तो मौसम के हर संधिकाल में नवरात्रि का विधान किया गया है। सृष्टि के प्रथम शब्द तप की भूमिका यहीं से शुरू होती है। संदेश यही है कि तप करो, जिससे शरीर निरोगी हो, रोगों की आशंका समाप्त हो। भौतिकता को छोड़कर संतान अध्यात्म रूपी मां को प्राप्त करे। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति हेतु मां की साधना करो। मनुष्य योनि में जन्म लिया है तो सर्वोच्च पद मोक्ष को प्राप्त करो। ऋग्वेद के वागम्भृणी सूक्त में वाग्देवी कहती हैं- मै जिस-जिस पुरुष की रक्षा करना चाहती हूं, उसी को बह्मा, ऋषि तथा उत्तम मेधाशक्ति से युक्त बनाती हूं। नवरात्रि में देवी के नौ रूपों- शैलपुत्री, बह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कन्दमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी व सिद्धिदात्री की आराधना की जाती है।

Happy Holi

ठा. सा. टिकमसिंह - श्रीमती चंदाकंवर

फोन : 2584082, मो.: 9414167024

ठा. सा. गिरिराजसिंह
श्रीमती राजश्रीकंवर

ठा. सा. गोविन्दसिंह
श्रीमती मंजुकंवर

कु. सा. गगनसिंह
श्रीमती रीनाकंवर

UDAIPUR GOLDEN

TRANSPORT COMPANY

Fleet Owner's & Transport Contractor's

HEAD OFFICE :
13, Behind Central Jail,
Udaipur-313001 (Raj.)

Rao Tikam Singh S/o Late Jaswant Singh
Rao Giriraj Singh S/o Late Jaswant Singh
Rao Govind Singh S/o Late Jaswant Singh

Village : Sagwardiya, Dist. Banswara (Raj.)

रोहित और हरमनप्रीत को पद्मश्री सम्मान

अभिजय शर्मा

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के घोषित 131 पद्म पुरस्कारों में देश की पुरूष क्रिकेट टीम के पूर्व कतान रोहित शर्मा और महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं। जिन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया जाएगा। इस बार पद्म विभूषण के लिए जिन नामों की घोषणा की गई है, उनमें दिवंगत अभिनेता धर्मेन्द्र सिंह, केटी थॉमस, एम राजन, पी. नारायणन और वीएस अच्युतानंदन है, जबकि पद्म भूषण के लिए पार्श्व गायिका अलका याज्ञनिक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगतसिंह कोश्यारी, एड गुरु पीयूष पांडे, के रामासामी, पलानीसामी, केएम मैलासनधन, एसआर गणेश, उदय कोटक, विजय अमृतराज, वीके मल्होत्रा, अभिनेता मेमूटी वेल्लापल्ली नटेसन और डॉ. नोरी दत्तात्रेयुडु को चुना गया है। 113 लोगों को पद्मश्री अलंकरण से नवाजा गया है।

पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुने गए रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर का प्रारंभिक जीवन संघर्ष भरा रहा है, लेकिन जीवटता, संयम और साहस के साथ वे आगे गए। दोनों ही खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट में इंद्रधनुषी आभा वाले रत्न हैं। प्रस्तुत है, दोनों के संघर्ष की कहानी।

भारत को 17 साल बाद 29 जून 2024 को टी20 विश्वकप का खिताब दिलाने वाले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा का जीवन बेहद संघर्षों वाला रहा। एक समय तो उनके क्रिकेट खेलने के भविष्य पर सवालिया निशान इसलिए लग गया था क्योंकि पैसों की तंगी की वजह से उनके करियर में रुकावट आ सकती थी। बात 1999 की है जिस साल भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड में अजहरुद्दीन की कप्तानी में विश्वकप खेल रही थी। इधर, मुंबई के एक उपनगर बोरीवली में 12 साल के रोहित शर्मा को उनके पिता और परिजनों ने पैसे इकट्ठे कर के एक क्रिकेट कैंप में भेजा था। एक ट्रांसपोर्ट फर्म वेयरहाउस में काम करने वाले उनके पिता की आमदनी कम थी तो रोहित उन दिनों अपने दादा और चाचा रवि शर्मा के घर पर रहते थे, वो भी खासी तंगी में, लेकिन एक मैच और एक स्कूल ने उनके क्रिकेट करियर की दिशा बदल दी। उसी साल रोहित शर्मा बोरिवली के स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल के खिलाफ एक मैच खेल रहे थे, स्कूल के कोच दिनेश लाड ने उनके खेल को देखकर स्कूल के मालिक योगेश पटेल से उन्हें छात्रवृत्ति देने की सिफारिश की। योगेश पटेल कोच ने उनसे कहा कि इस लड़के में क्रिकेट का बड़ा हुनर है, लेकिन इसका परिवार स्कूल की 275 रुपए महीना फीस नहीं भर सकता, इसलिए इसे छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए।

स्कूल प्रबंधन ने उनकी बात मानी, आज हमें खुशी है कि हमने वो फैसला लिया और रोहित भारतीय क्रिकेट में ऊंचाई पर हैं। एक साक्षात्कार में रोहित शर्मा ने बताया कि विवेकानंद स्कूल में भर्ती होने के कुछ ही महीने के भीतर उन्होंने 140 रनों की एक नाबाद पारी खेली जिसकी मुंबई के स्कूलों, मैदानों और क्रिकेट समीक्षकों में खासी चर्चा हुई। रोहित शर्मा पहले अपने स्कूल की तरफ से ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते थे। फिर उनके कोच ने उनकी बल्लेबाजी को

नहीं थे बल्ला खरीदने के पैसे भी

रोहित शर्मा का एक ऐसा वक्त भी था, जब उनके पास बल्ला खरीदने के पैसे नहीं थे। मैदान पर जब कभी भी वो खेलने उतरते तो बल्ले का बेहद ख्याल रखते थे। सीधे बल्ले से ही शाट लगाने की कोशिश करते थे, जिससे उनका बल्ला वो ज्यादा दिन तक चले और टूटे नहीं। आज रोहित शर्मा बीसीसीआई की बी प्लस श्रेणी में आते हैं।

पहचाना। इसके बाद रोहित ने मुंबई की मशहूर कांगा लीग क्रिकेट के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के टूर्नामेंट में अपने झंडे गाड़ने शुरू कर दिए। महिला विश्व कप क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 2 नवम्बर 2025 (मुम्बई) को विश्व विजेता बनी भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर (36) को इस वर्ष पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुना गया है। हरमन का सफर भी उतार-चढ़ाव वाला रहा है, लेकिन धैर्य और साहस के साथ वे आगे बढ़ती गई। हरमनप्रीत कौर का जन्म 8 मार्च1989 को पंजाब के मोगा जिले में एक साधारण सिख परिवार में हुआ। पिता हरमंदर सिंह भुल्लर कोर्ट में क्लर्क थे और खुद भी खिलाड़ी रहे। मां सतविंदर कौर गृहिणी हैं। हरमन बचपन में मोहल्ले की गलियों में क्रिकेट खेलती थी। उनका सपना था कि एक दिन वह भारतीय टीम की ब्लू जर्सी पहने।

संघर्षः लड़कों के साथ खेलीं, डिग्री पर विवाद

हरमनप्रीत ने क्रिकेट सीखने के लिए घर से 30 किलोमीटर दूर एकेडमी में दाखिला लिया। शुरुआत में महिलाओं के लिए सुविधाएं न के बराबर थीं, इसलिए वे पुरुषों की टीम के साथ खेलती रहीं। हरमन ने समाज के ताने भी सुने कि क्रिकेट लड़कों का खेल है ये कैसे खेलेगी? उनके कोच बताते हैं कि हरमनप्रीत तब नौकरी के लिए संघर्ष भी कर रही थीं। तब पंजाब पुलिस से स्पोर्ट्स कोटे के तहत उन्हें नौकरी देने का अनुरोध किया गया, लेकिन जवाब मिला एक महिला क्रिकेटर के लिए पंजाब पुलिस में नौकरी की कोई गुंजाइश नहीं है।

सफलताः अर्जुन अवार्ड से सम्मानित, 4 हजार से ज्यादा रन

हरमनप्रीत ने 2009 में भारत के लिए खेलना शुरु किया था। 2017 के महिला विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उनकी 171 रन की नाबाद पारी सबसे यादगार प्रदर्शन रहा। हरमन प्रीत कौर को 2017 में भारत सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साल 2023 में उन्हें विस्डन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर की सूची में शामिल किया गया। वह इस सूची में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उसी साल उन्हें टाम 100 नेक्स्ट और बीबीसी की 100 वीमेन में भी जगह मिली। हरमन ने 161 वनडे में 4409 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और 22 अर्द्धशतक हैं।

श्री विश्वकर्मा विजयते

देवेन्द्र कुमार, डायरेक्टर
9829106313

हेमलता सुथार
आधुनिक फर्नीचर के निर्माता एवं विक्रेता

यूनिवर्सिटी रोड अंदर, रूपसागर रोड, विनायक रेजीडेंसी के सामने, प्रेम नगर, प्लॉट नं. 2 उदयपुर

हुमायूं कबीर की ममता बनर्जी व भाजपा को हराने की सीधी चुनौती

मुस्लिम वोट बैंक पर सियासी महाभारत

अमित शर्मा

पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव में दशकों बाद मुस्लिम वोट बैंक पर सियासी महाभारत का मैदान तैयार हो गया है। टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शीदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के बाद जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) का गठन कर इसकी पटकथा तैयार की है।

नई पार्टी के गठन के बाद कबीर ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और इंडिया सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के मुखिया पीरजादा अब्बास सिद्दीकी से भी संपर्क साधा है। गठबंधन को लेकर एआईएमआईएम का रूख सकारात्मक है। हुमायूं कबीर की पार्टी जेयूपी और असदुद्दीन ओवैसी की आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) बंगाल में साथ मिलकर अगला विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। मुर्शीदाबाद जिले के रेजीनगर में पिछले माह हुई जेयूपी की रैली में शामिल होकर एआईएमआईएम के राज्य अध्यक्ष इमरान सोलंकी ने इसकी पुष्टि की। हुमायूं व इमरान ने मंच से एक स्वर में कहा कि वे साथ मिलकर बंगाल से सत्ताधारी तृणमूल व मुख्य विपक्षी भाजपा का सफाया करेंगे। उन्होंने तृणमूल व भाजपा विरोधी अन्य दलों से भी एकजुट होने का आह्वान किया। दरअसल पश्चिम बंगाल की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी करीब 30 फीसद है।

करीब 100 सीटों पर व्यापक प्रभाव के कारण मुस्लिम बिरादरी दशकों से राज्य की सत्ता की दशा और दिशा तय करती आ रही है। सत्तर के दशक में मुस्लिमों का कांग्रेस से मोहभंग होने के बाद वाम दलों की सरकार बनी। बाद में वामदलों से भी मोहभंग हुआ तो तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई। अब इस नए संभावित सियासी समीकरण में तृणमूल कांग्रेस को इस बिरादरी की नाराजगी का डर सता रहा है।

ममता को खतरा इसलिए

माना जा रहा है कि हुमायूं, ओवैसी और अब्बास के साथ आने से मुस्लिम वोट बैंक ममता से छिटक सकता है। ओवैसी सीमांचल से लगते पश्चिम बंगाल के तीन जिलों मालदा, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर में प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं। अब्बास की पार्टी का दक्षिण बंगाल में व्यापक प्रभाव है जिसे तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। दो वर्ष पूर्व इनकी पार्टी ने दक्षिण बंगाल में ही 400 पंचायत सीटों पर कब्जा किया था। फिर हुमायूं मुर्शीदाबाद जिले से हैं। इस जिले के आसपास के जिलों में इनके हाथों बाबरी मस्जिद के शिलान्यास का व्यापक असर दिखाई दिया।

भाजपा के लिए बन पाएगा राजमार्ग?

पार्टी का दशकों से पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करने के लिए अपने विरोधी वोट बैंक का एकतरफा ध्रुवीकरण सपना रहा है। हालांकि, मजबूत मुस्लिम संगठनों कारण ही बीते चुनाव में भाजपा को सफलता नहीं मिली। बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा और टीएमसी के मतों का अंतर करीब सात फीसदी था। विधानसभा चुनाव में यह अंतर करीब दस फीसदी था। ऐसे में अगर कबीर, ओवैसी और अब्बास की तिकड़ी बनती है तो टीएमसी के वोट बैंक में गिरावट भाजपा के लिए राजमार्ग तैयार कर सकती है।

खुली चुनौती

हुमायूं कबीर ने ममता बनर्जी को खुली चुनौती दी है कि वे मुर्शीदाबाद में ममता को एक भी सीट नहीं जीतने देंगे। उन्होंने राज्य की सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का भी ऐलान किया है। कबीर ने अपने राजनीतिक सफ़र की शुरूआत कांग्रेस से की थी। फिर टीएमसी के साथ हो लिए। पार्टी के खिलाफ बोलने पर टीएमसी से बाहर हुए तो भाजपा का दामन पकड़ा। कबीर ने भाजपा के टिकट पर मुर्शीदाबाद से लोकसभा चुनाव भी लड़ा लेकिन हार गए। फिर टीएमसी में वापसी की और अब वहां से निलंबित हुए।

Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.

FLAMES RESTAURANT

(Multi Cuisine)

(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)

Ph :- 0294-2425694 M.:- 09649466662

Spa-Beer Bar-Banquet Hall

93, Opp. M.B. College, Darshanpura, Airport Road,Udaipur (Raj.) Tel :- 0294-2425690-93

Email :- raghumahalhotels@gmail.com Website :- www.raghumahalhotels.com

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड वाशिंग पाउडर

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

हमारे उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड प्लस वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर क्लीन वाशिंग पाउडर
- एडवाइज़ वाशिंग पाउडर
- एडवाइज़ डिटर्जेंट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड लॉन्ड्री सोप
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप
- डिसाइड डिटर्जेंट केक डी4 एवं डी9
- डिसाइड सुपर ब्राईट डिटर्जेंट लिक्विड
- डिसाइड सुपर क्लीन डिशवाश लिक्विड

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.

(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)

789 789 789 6

or email at aadharproducts@rediffmail.com

प्रत्यूष

ब्रज में होली के बाद हुरंगे के नौ दिन

प्रत्यूष

पवन गौतम

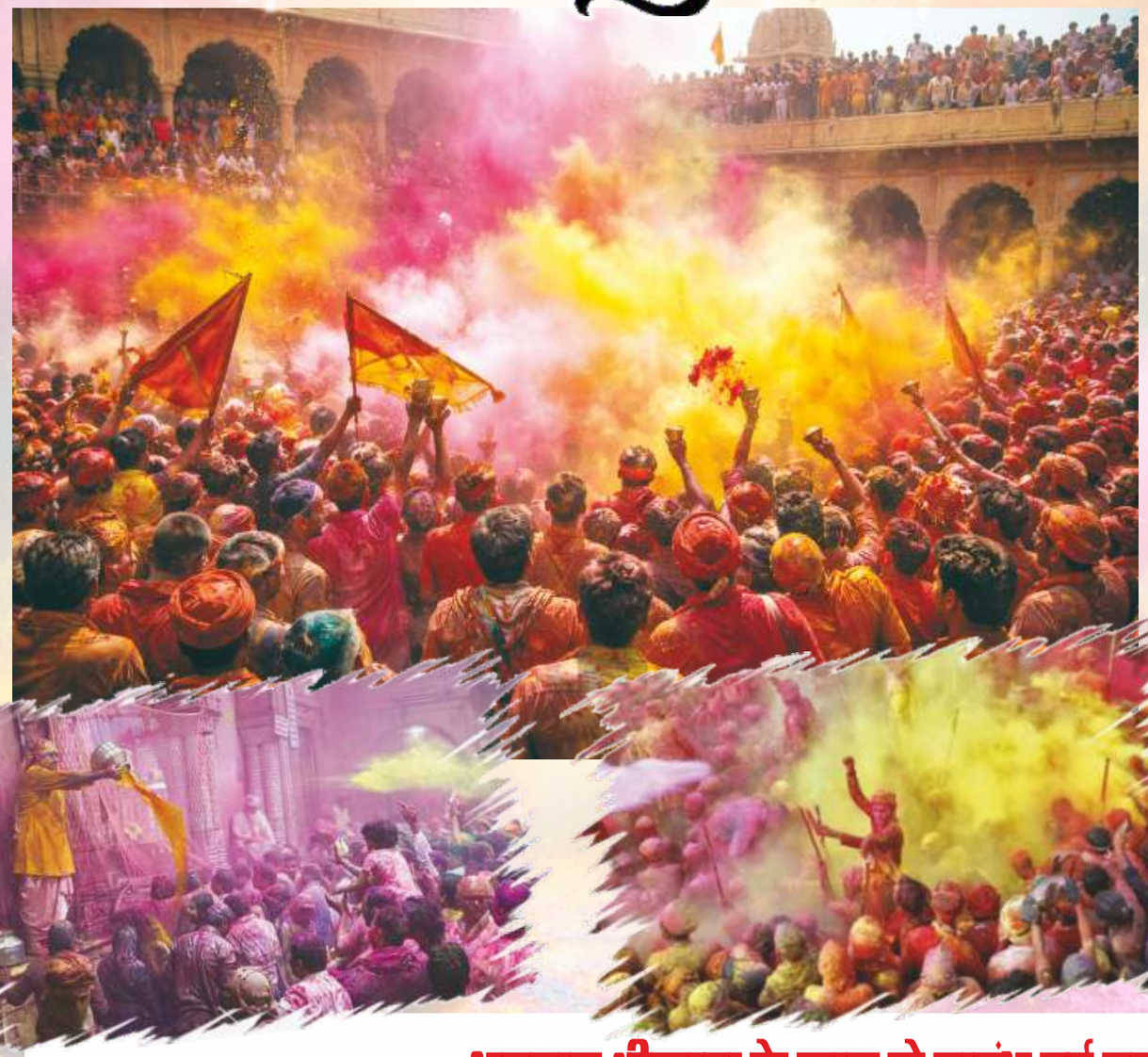

अबीर-गुलाल, संगीत और नृत्य से भरपूर पारम्परिक लोकोत्सव होली का असली आनंद तो ब्रज में ही मिलता है। कृष्ण नगरी के मंदिरों में एक माह से भी अधिक समय तक चलने वाले इस उत्सव में ठाकुरजी अपने भक्तों के साथ नित्य होली खेलते हैं। होली उत्सवों का शुभारंभ बसंत पंचमी से ही हो जाता है और समापन धुलेंडी के दिन होता है। हालांकि, कुछ इलाकों में इसके एक पखवाड़े बाद तक होली की धूम रहती है। ब्रज स्थित बरसाने के लाड़लीजी के मंदिर की होली तथा बलदेव के दाऊजी मंदिर का हुरंगा होली के ऐसे अनुपम समारोह हैं जिनका आनंद लेने देश ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में विदेशों से भी पर्यटक आते हैं।

बसंत पंचमी के दिन बरसाने के लाड़लीजी मंदिर में रत्नजड़ित स्वर्ण सिंहासन पर बसंती फूलों का बंगला सजाकर श्रीराधाजी के दर्शन कराए जाते हैं। सेवायत पुजारी श्रीराधाजी के चरणों में अबीर-गुलाल अर्पित कर होली उत्सव की शुरुआत करते हैं। देवालय में सेवक गोस्वामी समाज पारम्परिक होली धमारों का गायन करते हैं, जिसे 'समाज गायन' कहा जाता है। फाल्गुन शुक्ल अष्टमी के दिन नंदगांव के मंदिर का पुजारी श्रीकृष्ण के सखा रूप में लाड़लीजी मंदिर में पहुंचता है। जहां गोस्वामियों की समाज गायन गोष्ठी होती है। इसमें कृष्ण सखा के रूप में आए पुजारी को भी नृत्य करना होता है और वह नंदगांव की ओर से बरसाने में होली खेलने का निमंत्रण देता है। बरसाने के गोस्वामी उसे सहर्ष स्वीकार करते हैं। अगले दिन नंदगांव के गोस्वामी परिवारों का दल सज-धजकर मोरपंखयुक्त रंगीन पाग बांधकर गाते-बजाते बरसाने पहुंचता है। ये हुरियारे बरसाने के राधारानी मंदिर पहुंचकर बरसाने की गोपकुमारियों को उकसाते हुए गाते हैं... बरसाने तथा नंदगांव के गोस्वामियों का हास-परिहास के बीच परस्पर गुलाल लगाकर स्वागत किया जाता है। इसके पश्चात सभी हुरियरे देवालय से नीचे रंगीली गली में आ जाते हैं, जहां बरसाने के गोस्वामियों की महिलाएं राधारानी तथा गोप बालाओं के प्रतीक के रूप में गोटा-किनारी की ओढ़नी तथा लम्बा घूंघट निकाले हाथों में लम्बे-लम्बे लठों के साथ नंदगांव के हुरियारों का प्रेम से स्वागत करती हैं। गली के मकानों की छतों पर देश-विदेश के हजारों सैलानी इस अनुपम होली को देखने के लिए एकत्रित होते हैं। इसी के साथ हर तरफ चमड़े की ढालों के नीचे छुपते-छुपाते बरसाने की हुरियारिनों के लठों की मार से अपने आपको बचाते नंदगांव के हुरियारे आनंद और मस्ती में डूबे नजर आते हैं। ठीक इसी प्रकार दूसरे दिन बरसाने के गोस्वामी भी नंदगांव जाते हैं। यहां भांग और ठंडाई से उनका सत्कार किया जाता है और लठामार होली खेली जाती है। ऐसी मान्यता है कि श्रीकृष्ण होली के समय बरसाना आए थे। यहां पर कृष्ण द्वारा राधा और उनकी सहेलियों को चिढ़ाने के बाद राधा अपनी सखियों के साथ लाठी लेकर कृष्ण के पीछे दौड़ पड़ीं। तभी से बरसाने में लठामार होली शुरू हुई। बरसाना में लोग हर साल लठामार होली मनाते हैं। लठामार होली में महिलाएं लठ से पुरुषों को मारती हैं। ब्रज के मंदिरों की होली उत्सव का एक विचित्र स्वरूप बलदेव के दाऊजी के देवालय का 'हुरंगा' है। इसका आयोजन धुलेंडी के दूसरे दिन होता है। हुरंगा से पहले ब्रज के ठाकुर दाऊदयाल के देवालय में धमार का समाज गायन होता है। मंदिर के सेवकों की महिलाएं अपने देवरों पर डोलची से रंग डालती हैं तथा रंग से भीगे कपड़ों के कोड़े बनाकर उन्हें मारती हैं। पुरुष पिचकारियों से ब्रज बालाओं पर रंग बरसाते हैं। हुरंगा का असली सौन्दर्य उस समय देखने को मिलता है जब ब्रज बालाएं अपने देवरों के कपड़े फाड़कर उनका कोड़ा बनाकर पीटना शुरू करती हैं। हुरंगा में पुरुष अपनी भाभियों से कपड़े फड़वाकर पिटने में गौरव का अनुभव करते हैं, वे अपने आपको धन्य मानते हैं। हुरंगा का समापन 'ध्वजा' के साथ होता है।

कृष्ण द्वितीया से नवमी तक होली के बाद भी ब्रज के गांव-गांव में हुरंगा के आयोजन होते रहते हैं। इनमें स्त्री-पुरुष समान भाव से इसका रस प्राप्त करते हैं। इसी दौरान रात्रि को गांव की चौपालों और खुले मैदानों में 'चरकुला नृत्य' होता है। इसमें ब्रज बालाएं 30-40 किलो वजन का भारी भरकम चरकुला जिसमें जलते दीपकों के साथ सिर पर रखकर सुर-लय- ताल पर नृत्य करती हैं। होली के पश्चात ब्रज में नौ दिन तक होली के हुरंगे होते रहते हैं। इनमें हुरियारे व हुरियारिनें होली खेलते हैं। कहीं कीचड़ से तो कहीं लाठियों से तथा कहीं-कहीं रंगों से होली खेली जाती है। इसमें गांव के सभी स्त्री-पुरुष मेलजोल के साथ होली का भरपूर आनंद लेते हैं। इससे पहले, ब्रज में होलिका दहन के दौरान पंडा आग से होकर निकलकर भक्त प्रहलाद की भक्ति के दर्शन कराते हैं।

गांठोली का गुलाल कुंड राधा-कृष्ण के फाग से आज भी लालमलाल है। फागुन मास में आज भी कुंड का जल गुलाबी नज़र आता है। गुजरात, महाराष्ट्र आदि स्थानों से आने वाले लोग कुंड पर होली खेलते हैं। गोवर्धन से तीन किमी दूर स्थित गांठोली गांव का नामकरण होली-लीला से जुड़ा है। यहां होली खेलने के दौरान राधा-माधव सिंहासन पर विराजमान थे। तब कुछ सखियों ने उनके वस्त्रों में गांठ लगा दी। इस लीला से ही गांव का नाम 'गांठोली' पड़ा। इस स्थल पर राधा-कृष्ण ने सखियों के साथ होली खेली थी। कहा जाता है कि होली खेलने के बाद युगल सरकार व गोपियों ने इस कुंड में अपने अंग वस्त्र धोए थे। इससे कुंड का जल गुलाबी हो गया था। इसीलिए, यह गुलाल कुंड कहलाता है। कुंड के पास वल्लभाचार्य की बैठक है। यहां आने वाले वैष्णव कुंड में गुलाल अर्पित कर एक-दूसरे से होली खेलते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण के काल से प्रारंभ हुई परम्परा

होली पर्व के साथ अनेक कहानियां जुड़ी हुई हैं। इनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी प्रहलाद की है। प्रहलाद के पिता हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका की गोद में प्रहलाद को बिठाकर उसे अग्नि में जलाकर मारने का प्रयास किया था। होलिका को यह वरदान था कि वह अग्नि से नहीं जलेगी परंतु वह जल मरी और प्रहलाद श्रीहरि विष्णु की कृपा से बच गया। इसके पश्चात हिरण्यकश्यप की क्रूरता को समाप्त करने के लिए भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार लिया और हिरण्यकश्यप को समाप्त कर दिया। तभी से होलिका दहन का प्रचलन शुरू हुआ और होलिका की अग्नि में बुराइयों के समाप्त होने के बाद खुशियां मनाने के लिए अगले दिन रंग खेलने की प्रथा शुरू हुई। धुलेंडी से जुड़ी कहानी के अनुसार, त्रेता युग के प्रारंभ में विष्णु ने धूलि वंदन किया था। इसकी याद में धुलेंडी मनाई जाती है। होलिका दहन के बाद 'रंग उत्सव' मनाने की परंपरा भगवान श्रीकृष्ण के काल से प्रारंभ हुई। तभी से इसका नाम 'फगवाह' हो गया, क्योंकि यह फागुन माह में आता है। कृष्ण ने राधा पर रंग डाला था। इसी की याद में रंग पंचमी मनाई जाती है। वैदिक काल में इस पर्व को 'नवान्नेष्टि' कहा गया है। इस दिन खेत के अधपके अन्न का हवन कर प्रसाद बांटने का विधान है। इस अन्न को 'होला' कहा जाता है। संभवतः इस पर्व को होली कहे जाने के पीछे यह भी एक तथ्य संभव है। होली महोत्सव फाल्गुन पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह ऐसा त्योहार है जब लोग एक दूसरे से मिलते हैं, हंसते हैं, समस्याओं को भूल जाते हैं और एक दूसरे को माफ करके रिश्तों का पुनरुत्थान करते हैं। यह बहुत सारी – मस्ती और उल्लास की गतिविधियों का त्योहार है। इस दिन हर किसी के – चेहरे पर एक मुस्कान होती है।

'मानसिक स्वास्थ्य और नर्सिंग में व्यावसायिक श्रेष्ठता' कार्यशाला

उदयपुर। मेवाड़ बी.एस.सी नर्सिंग कालेज में 'मानसिक स्वास्थ्य और नर्सिंग में व्यावसायिक श्रेष्ठता' विषय पर मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला हुई। कार्यशाला का संचालन मनोवैज्ञानिक एवं स्नोफ्लेक्स काउन्सलिंग प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक महिमा पालीवाल ने किया। कार्यक्रम में नर्सिंग छात्रों के सामने आने वाली मानसिक चुनौतियों शैक्षणिक दबाव, क्लिनिकल प्रशिक्षण का तनाव, भावनात्मक थकान और बर्नआउट के संकेतों पर चर्चा की गई। साथ ही आत्म-प्रेरणा (मोटिवेशन), भावनात्मक बुद्धिमता, संवाद कौशल और व्यावसायिक आचरण को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। संवादात्मक गतिविधियों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से छात्रों को तनाव प्रबंधन (स्ट्रेस मैनेजमेंट) तथा कठिन परिस्थितियों में पेशेवर व्यवहार बनाए रखने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। कार्यक्रम की शुरूआत में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संदीप गर्ग ने महिमा पालीवाल का स्वागत करते हुए प्रेरणा एवं तनाव प्रबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रेस क्लब सांस्कृतिक संध्या

उदयपुर। गणतंत्र दिवस पर लेकसिटी प्रेस क्लब की ओर से सांस्कृतिक संध्या व सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी थे। कार्यक्रम में दैनिक भास्कर (डिजिटल उदयपुर) के मुकेश हिंगड़ सहित दस पत्रकारों का सम्मान किया गया। अतिथियों के रूप में राजस्थान विद्यापीठ कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, विधायक ताराचंद जैन, जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल के चेयरमैन डॉ. कीर्ति कुमार जैन, अतुल चण्डालिया, जिनेन्द्र शास्त्री, हिम्मत सिंह झाला, रश्मि बोहरा, सूचना एवं जनसंपर्क उप निदेशक गोरीकांत शर्मा आदि मौजूद रहे।

यूसीसीआई फाउंडेशन डे एवं एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026

उदयपुर। चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा गत दिनों फाउंडेशन डे सेलिब्रेशन एवं एक्सीलेंस अवॉर्ड्स समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कोर माइंड के संस्थापक एवं सीईओ उदयकुमार गोपालकृष्णन थे। समारोह में विभिन्न औद्योगिक, व्यावसायिक और सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों को यूसीसीआई एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 से सम्मानित किया गया। इसमें स्मॉल इंटरप्राइजेज श्रेणी में सेल्यूलर मेडिकेयर के एमडी डॉ. हनुवंत सिंह राठौड़ को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

निलय और जाह्नवी का सम्मान

उदयपुर। नोएडा में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के 76वें वार्षिक समारोह में बड़ाला क्लासेज के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रहे। बड़ाला क्लासेज के निदेशक सीए राहुल बड़ाला ने बताया कि छात्र निलय डांगी को सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 4 प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। उन्हें मेरिट प्रमाण पत्र, सुल्तान चंद मेमोरियल प्राइज, पी.पी.गुरूराजा उपाध्याय मेमोरियल प्राइज तथा ऑडिटिंग एंड एथिक्स में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए के.सी. खन्ना प्राइज प्रदान किया गया। संस्थान निदेशक सीएमए सौरभ बड़ाला एवं सीए निशांत बड़ाला ने बताया कि छात्रा जाह्नवी मेहता, ऑल इंडिया रैंक 4 को वर्ष 2024 की बेस्ट लेडी कैंडिडेट ऑफ द ईयर का सम्मान मिला। उन्हें सिल्वर मेडल, एस.आर. बाटलीबोई गोल्ड सेट्रिंग और निमिषा तिवारी मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किए गए।

नवरूप रजत के सैंपल फ्लैट का शुभारंभ

उदयपुर। शोभागपुरा में नवरुप रजत प्रोजेक्ट के सैंपल फ्लैट का गत दिनों शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर छह फ्लैट एक साथ लॉन्च किए गए। सभी फ्लैटधारकों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट की विशेषताओं की जानकारी दी गई। प्रोजेक्ट पार्टनर तुषार मेहता ने बताया कि नवरूप रजत आधुनिक जीवन, लग्जरी और प्रकृति का संतुलन है। यह सुरक्षित और उच्च स्तरीय जीवन अनुभव प्रदान करता है। आर्किटेक्ट योगेश गहलोत ने कहा कि फ्लैट्स को विशाल लिविंग, मॉर्डन किचन, बड़े बालकनी और उत्कृट डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। एम्पायर ब्लॉक में 180 यूनिट्स और नवरूप संगम में 120 यूनिट्स हैं। 2, 3 और 4 बीएचके विकल्प उपलब्ध हैं। प्रोजेक्ट में स्विमिंग पूल, जिम, स्पा, योग सेंटर, प्राइवेट थिएटरर, बच्चों का प्ले एरिया और अन्य 30 से अधिक आधुनिक सुविधाएं हैं।

दिनेश माली सम्मानित

उदयपुर। वरदीबाई-गणेशलाल पूर्बिया चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक नरेश पूर्बिया ने उत्कृष्ट समाज सेवा के लिए समाजसेवी दिनेश माली का सम्मान किया। कार्यक्रम में दिवाकर माली, लोकेश चौधरी, राजेन्द्र सेन, पीएस पटेल, मधुबाला पूर्बिया, डॉ. सचिन पूर्बिया, राहुल पूर्बिया, कपिश पूर्बिया भी मौजूद थे।

डॉ. दिलीप सिंह यादव का सम्मान

उदयपुर। जयपुर में आयोजित समारोह में उदयपुर के शिक्षाविद डॉ. दिलीप सिंह यादव का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय दीर्घकालीन एवं प्रेरणादायक योगदान देने वाले डॉ. दिलीप सिंह यादव को यंग एंटरप्रिन्योर सम्मान से सम्मानित किया गया।

श्रद्धा गट्टानी बीसीआई टूरिज्म विंग अध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर। बिजनेस नेटवर्किंग ग्रुप, बिजनेस सर्कल इंटरनेशनल (बीसीआई) ने श्रद्धा गट्टानी को टूरिज्म विंग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह जानकारी बीसीआई के फाउंडर मुकेश माधवानी ने दी।

अंशुल मोगरा बीएनआई चैप्टर के अध्यक्ष बने

उदयपुर। बीएनआई उदयपुर के कॉरपोरेट चैप्टर की गत दिनों हुई बैठक में वरिष्ठ सीए अंशुल मोगरा को बीएनआई के उदयपुर कॉरपोरेट चैप्टर का अध्यक्ष बनाया गया। फाउंडर एवं कार्यकारी निर्देशक अनिल छाजेड़ ने बताया कि 25 फरवरी को चैप्टर को 41 सदस्यों के साथ लॉन्च किया गया।

Happy Holi

Ajay Agarwal
Director
98290 40088

Hindustan

Ceramic Distributors

UltraTech CEMENT THE ENGINEERS CHOICE
SOMANY Tiles & Sanitaryware
Kajaria
Simpolo CERAMICS Stay ahead
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles
EVEREST LIFEGUARD
Bell CERAMICS LIMITED

Outside Delhigate, Udaipur Ph. : 2414258, Mob. : 98290 90929
E-mail : hcd.udaipur@gmail.com

सम्पूर्ण भारत में राष्ट्रवाद की जो लहर दिखाई पड़ रही हैं, वह भगवान श्रीराम की ही देन है। यदि हम राम शब्द की व्युत्पत्ति ही देखें, तो स्पष्ट हो जाता है, रति मंगलम इति रामः, जो सर्वत्र मंगल करता दिखाई देता रहता है, वही राम है।

जन-गण-मन के अधिनायक राम

स्वामी श्री रामभद्राचार्य

महाकवि गोस्वामी तुलसीदासजी ने कहा, *तामस बहुत रजोगुन थोरा, कलि प्रभाउ बिरोध चहुंओरा।* अर्थात आज चारों और विरोध है और इस विरोध को समाप्त करने के लिए यदि कोई निर्विरोध है, तो वह भगवान श्रीराम का व्यक्तित्व है। उनका किसी से कोई विरोध नहीं है- *उमा जे राम चरन रत, बिगत काम, मद, क्रोध। निज प्रभुमय देखहिं जगत, केहि सन करहिं बिरोध।* स्वयं मां कौशल्या कहती हैं- *राघव सुतहीं करौ अनुरोधु, धर्म जाइ अरु बंधु बिरोध।* आज वातावरण में भगवान राम की बहुत अधिक आवश्यकता भी है और उपयोगिता भी। भय के वर्तमान वातावरण में यदि कोईअभय दे सकता है, तो वह श्रीराम ही हैं। आदिकवि वाल्मिकी कृत रामायण के युद्धकांड के 18वें सर्ग के 33वें श्लोक में भगवान राम प्रपन्न को अभय देने की प्रतिज्ञा करते हैं, *सकृद्एवप्रपन्नाय तव अस्मिइति चयाचते। अभयम् सर्व भूतेभ्यो ददामि एतद् व्रतम् मम।।* अपने प्रपन्न को भगवान राम त्रिलोक में सबसे अभयदान दे देते हैं। इसलिए यदि किसी को भयमुक्त शांत गगन में जीना है, तो उसे दयानिधान श्रीराम की शरण लेनी ही पड़ेगी, क्योंकि वह अभय के आश्रय हैं। एक ओर, जहां कुछ लोग हमारी सीमाओं को सीमित करने में लगे हैं, तो कुछ देश संकीर्णताओं में उलझे हुए हैं। ऐसी परिस्थिति में यदि भगवान राम के व्यक्तित्व को देखा जाए, तो उन्होंने पूरे विश्व को अपने राज्य की सीमा माना है, *भूमि सप्तसागर मेखला। एक भूप रघुपति कोसला।।* भगवान राम अनुभव और परम्परा को बहुत महत्व देते हैं- *अभिवादनशीलस्य नित्यं वृदधोपसेविनः। चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्।।* इसलिए सभी मनुष्य उनसे आयु, विद्या, यश और बल का आशीर्वाद पाते हैं। सत्तेन लोका न जयति अर्थात उनके समक्ष जीतने के लिए कुछ शेष बचा ही नहीं, क्योंकि *सत्येन लोकान्जयति, द्विजान दानेन राघवः। गुरुन्छुश्रूषया वीरो धनुषायुधिशास्त्रवान्* अर्थात भगवान राम सत्य से लोक को जीतते हैं, दान से ब्राह्मणों को जीतते हैं, सेवा से गुरुजनों को प्रसन्न करते हैं और एक ही धनुष से संपूर्ण शत्रुओं को जीत लेते हैं। गोस्वामी तुलसीदासजी के राम एक स्वाभिमानी, कर्तव्यपरायण, सत्यनिष्ठ, चरित्रवान, उदार और शौर्य संपन्न व्यक्तित्व हैं। वह कहते हैं *कहउं सुभाउंन कुलहि प्रसंसी। कालहु डरहिं न रन रघुबंसी।* किसी भी परिस्थिति में भगवान राम असत्य नहीं बोलते हैं। राम निरंतर सत्य से असत्य पर विजय प्राप्त करने का ही प्रयास करते हैं। राम विजयी हैं, पराजयी नहीं, वह कहीं भी कभी पलायन नहीं करते, इसलिए उनके लिए विजय मंत्र में कहा जाता है- श्रीराम जय राम जय राम। हे श्रीराम। आप हमारे काम को जीतिए। जय राम, आप हमारे क्रोध को जीतिए। आपकी कृपा से मैं समग्र विजय को प्राप्त कर सकूं। संपूर्ण भारत में राष्ट्रवाद की जो नवीन लहर है। यह भगवान राम की ही देन है। मैं तो यही कहूंगा, यदि इस लोक में पुरुष के सार का एकमात्र वेत्ता प्रकट हुआ है, तो उसका नाम है भगवान राम। यदि हम राम शब्द की व्युत्पत्ति ही करें, तो स्पष्ट हो जाता है, *राति मंगलम इति राम,* जो सर्वत्र मंगल देता रहता है, उसी को राम कहते हैं। संपूर्ण भारत भगवान राम के जय की गाथा गा रहा है। भगवान राम ही जन-गण के मंगलदाता और भारत के भाग्य विधाता हैं। यहां सात बार जय कहने का तात्पर्य यह है कि रामजी सातों काण्ड में विजयी हो रहे हैं और सात समुद्र पर विजय का डंका बजा रहे हैं। हमारे राम अवतार भी है और अवतारी भी। साकेत लोक में वह अवतारी हैं और अवध में अवतार हैं। यह भी पूर्ण हैं और वह भी पूर्ण हैं। साकेत वाले साकेत विहारी रामजी भी पूर्ण हैं और अवध वाले अवध विहारी रामजी भी पूर्ण

हैं। अवतारी की अपेक्षा अवतार ज्यादा सुंदर लगता है। साकेत विहारी रामजी की अपेक्षा श्री अवध विहारी रामजी ज्यादा सुंदर लगते हैं। ऐसा क्यों होता है, इसे समझने की जरूरत है। साकेत विहारी रामचन्द्र जी पिता हैं और अवध विहारी रामचन्द्र जी पुत्र हैं, बालक हैं। साकेत वाले रामजी सबको गोद में लेते हैं और अवध वाले रामजी सबकी गोद में जाते हैं। श्रीरामचरितमानस में चौपाई है– बहुं *उछंग कबहुं बर पलना। मातु दुलारइ कहि प्रिय ललना।।* साकेत वाले रामजी पालने में नहीं झूलते। अवध वाले झूलते हैं। यहां यह ध्यान रहे, साकेत लोक जाने की सबको अनुमति नहीं है, साकेत वाले रामजी को पाना कठिन है,पर हमारे अवध वाले रामजी सबको सुलभ हैं, वह सभी पर अपनी कृपा की वर्षा कर रहे हैं।

उच्च कोटि के गृह योग से राम बने पुरुषोत्तम

वाल्मीकि रामायण के बाल कांड, सर्ग 18, श्लोक 8, 9 और 10 (1=18/8, 9, 10) में महर्षि वाल्मीकि ने भगवान राम के जन्म के संबंध में लिखा है– चैत्र महीने का नौवां दिन, पुनर्वसु नक्षत्र युक्त नवमी तिथि। सूर्य, मंगल, वृहस्पति, शुक्र और शनि उच्च राशि में। चन्द्रमा और बृहस्पति लग्न (कर्क लग्न) में एक साथ। श्रीराम की कुंडली में उच्च के पांच ग्रहों ने उन्हें उच्च कोटि के सर्वकालिक राजा बनाने में योगदान दिया।

लग्न में उच्चस्थ गुरु और स्वगृही चन्द्र की युति से बने उत्तम गजकेसरी योग ने श्रीराम को विपरीत परिस्थितियों में भी सहनशीलता व धैर्य के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सदैव सत्य के मार्ग पर चलाकर त्रेता से कलियुग में भी मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में स्थापित किया। पंचम एवं नवम भाव पर गुरु की दृष्टि ने श्रीराम को वेदों, धर्म और मर्यादा का पालन करने वाला बनाया।

पराक्रम भाव में कन्या राशि के राहुल ने स्वयंवर में शिव–धनुष तोड़ने से लेकर रावण वध का पराक्रम दिया। चतुर्थ भाव में उच्च राशि के शनि से बने शश नामक पंच महापुरुष योग ने न्यायप्रिय व चक्रवर्ती बनाया।

सुखेश शुक्र की नवमं में उच्चस्थ स्थिति, पंचम भाव का स्वामी मंगल उच्चस्थ सप्तम में किंतु राहु–केतु से दृष्ट होने के कारण श्रीराम के माता–पिता, संतान एवं भौतिक सुखों में बाधक बनी।

श्रीराम लग्न और चन्द्र लग्न दोनों से ही मांगलिक थे, जिसकी वजह से उन्हें वैवाहिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ा। लग्न–लग्नेश पर तीन पापी ग्रह मंगल, शनि, केतु की दृष्टि होने के कारण प्रबल राजभंग योग बना। राज्याभिषेक से ठीक पहले चौदह वर्ष का वनवास हुआ।

गुरु–मंगल योग, चन्द्र–मंगल योग और चन्द्र–गुरु–मंगल योग। लग्नेश, त्रिकोणेशों के मिलन से कई उत्तम राजयोग एवं केन्द्र त्रिकोण राजयोग बने, जिसने श्रीराम को कुशल योद्धा बनाया। किसी भी समस्या के अंतिम उपाय के रूप में युद्ध को अपनाया। दशम भाव में उच्च के सूर्य ने श्रीराम को सुयोग्य शासक के रूप में प्रतिष्ठित किया। उनके गौरवशाली शासनकाल रामराज्य की आज भी दुहाई दी जाती है।

– समीर उपाध्याय

Harshit Joshi
Director
9992220895

N.D. Joshi
CMD

shi
SYMBOL OF QUALITY

SHEETAL HOSE INDUSTRIES

Manufacturers of

All type of High & Medium Pressure Hose Assemblies

E-90-B, Mewar Industrial Area, Near Pllution Control Board, Office, Madri,
Udaipur - 313 003 (RAJ.) Tel.: 0294-2494056, Mob.: 94141 63056
E-mail: sheetalhose@gmail.com, Website: www.sheetalhose.com

प्रत्यूष

करीब 72 सीटें होंगी खाली, कुछ केंद्रीय मंत्री भी होंगे रिटायर

बदलने जा रहा राज्यसभा का गणित

उमेश शर्मा

इस साल अप्रेल से बदलने लगेगी, राज्य सभा की तस्वीर। मार्च-नवंबर के बीच इस ऊपरी सदन की 72 सीटों पर चुनाव होना है। इनमें से कई सीटों का भविष्य कई राज्यों में होने वाले चुनाव तय करेंगे। इतना ही नहीं, राज्यसभा में प्राय: दिखने और चर्चित रहने वाले कई चेहरे भी ओझल होने वाले हैं। जिनका कार्यकाल खत्म हो रहा हैं। केरल, पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों में चुनाव का दौर भी शुरू होने वाला ही है। जिसके बाद वहां की विधानसभाओं की तस्वीर भी बदल जाएगी। 37 सीटों पर 16 मार्च को चुनाव होंगे।

6 मंत्रियों का टर्म पूरा

नरेंद्र मोदी सरकार के छह मंत्रियों का भी राज्यसभा टर्म पूरा होने को है। टर्म ऐसे समय पूरा हो रहा है जब मोदी सरकार में बड़े बदलाव की भी संभावना है। महाराष्ट्र में रामदास अठावले भाजपा के समर्थन से दो बार से राज्यसभा जा रहे हैं। लेकिन, हाल में उनका एनडीए से संबंध कोई बहुत बेहतर नहीं रहा है। बीएमसी चुनाव मैं भी वह सीट शेयरिंग को लेकर नाराज नज़र आए थे मंत्रिमंडल फेरबदल में कई पुराने मंत्रियों की छुट्टी भी हो सकती है।

रिक्त होने वाली सीटें

पं. बंगाल 5, महाराष्ट्र 7, उत्तर प्रदेश 10, कर्नाटक 4, अरूणाचल प्रदेश 1, हरियाणा 2, ओडिशा 4, मध्यप्रदेश 3, बिहार 5, गुजरात 4, राजस्थान 3, छत्तीसगढ़ 2, हिमाचल प्रदेश 1, झारखंड 2, आंध्रप्रदेश 4, मध्यप्रदेश 3, तमिलनाडु 6 और असम में 3 सीटें खाली होने वाली हैं। इसके साथ ही तेलंगाना व केन्द्रशासित प्रदेशों से भी सीटें खाली होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में कुल सीटे रपट हैं, जिनमें से 233 का चुनाव राज्यों / केन्द्रशासित प्रदेशों से होता है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामित होते है।

उ.प्र. से 10 सीटें खाली

यूपी से 10 राज्यसभा सीटें खाली होंगी। वर्तमान में इनमें से 8 सीटें भाजपा के पास हैं। नवंबर में जिन भाजपा सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें नीरज शेखर, दिनेश शर्मा, हरदीप पुरी, बीएस वर्मा, बृजलाल और सीमा द्विवेदी शामिल है। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव और बीएसपी के रामजी गौतम का कार्यकाल भी नवंबर में खत्म हो रहा है। राज्य विधानसभा में भाजपा की स्थिति को देखते हुए पार्टी अपनी 8 सीटों को कायम रख सकती है, समाजवादी पार्टी को भी 2 सीटें मिल सकती हैं। बीएसपी के पास इतने नंबर

नहीं है कि वह अपने किसी नेता को राज्यसभा भेज सके। ऐसे में लगभग दो दशक बाद ऐसे हालात बन रहे हैं कि बीएसपी का एक भी सांसद नहीं होगा।

बिहार में घटेगा राजद का रूतबा

बिहार में अप्रैल में राज्यसभा की 5 सीटें खाली हो रही हैं। राज्यसभा में जिन सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें राष्ट्रीय जनता दल के प्रेम चंद गुप्ता, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, आरएलएम उपेंद्र कुशवाहा, जेडीयू के हरिवंश नारायण शामिल हैं। 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों के सपोर्ट की जरूरत है, 202 विधायकों के साथ एनडीए के खाते में 5 में से 4 सीटें आ जाए तो हैरानी की बात नहीं होगी, हालांकि 35 सीटों के साथ इंडिया गठबंधन एक भी सीट अपनी जीतने की स्थिति में नहीं है, ऐसे में 5 विधायकों वाले एआईएमआईएम की भूमिका अहम होगी। इससे राज्यसभा में आरजेडी का रूतबा कम होगा और उनकी गिनती अन्य दलों में होगी। बिहार से भारतीय जनता पार्टी राज्यसभा के लिए जो उम्मीदवार तय करेगी, उनमें नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन भी शामिल हो सकते हैं।

बंगाल व अन्य राज्यों का परिदृश्य

बंगाल से पांच सीटों पर चुनाव होगा, खाली होने वाली सीटों में 4 टीएमसी से हैं। सीपीएम के बिकास रंजन भट्टाचार्य का कार्यकाल भी अप्रैल में खत्म हो रहा है। राज्य में मार्च-अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं। इस लिहाज से विधानसभा की स्थिति बदल जाएगी जिससे राज्यसभा के चुनाव प्रभावित होंगे।

मध्य प्रदेश से राज्यसभा की 3 सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। संख्या बल के मुताबिक तो 230 सदस्यों वाली विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट के लिए 58 वोट चाहिए। संख्याबल के मुताबिक भाजपा को 2 सीटें तो एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है। राज्यसभा में फिलहाल एनडीए के पास 129 सीटें हैं, जबकि विपक्ष के खाते में 78 सीटें हैं। तेलंगाना में एक अथवा दो सीटें खाली हो सकती हैं। ऐसे में करीब 72 सीटों के चुनाव से सदन की तस्वीर बदलनी तय है।

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

Tara

तारा संस्थान

तारा संस्थान के 7 वृद्धाश्रमों में पूरे भारत के 350 से ज्यादा बुजुर्ग निःशुल्क रह रहे हैं।

वृद्धाश्रम बुजुर्गों को अपने विशेष दिवस (बच्चों का जन्मदिन, पूर्वजों की पुण्यतिथि, स्वयं की एनिवर्सरी) पर भोजन SPONSOR करवाने हेतु सम्पर्क करें: 9549399993

उदयपुर, प्रयागराज, वाराणसी में आनंद वृद्धाश्रम और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में मुमुक्षु भवन

4000 रुपए 40 बुजुर्गों के एक समय के भोजन के लिए

DONATE NOW

मुख्यालय: 236, हिरण मगरी, सेक्टर 6, उदयपुर - 313002 (राज.)

खेल और वार्षिकोत्सव में इंद्रधनुषी रंग

पिछले दिनों उदयपुर स्थित मेवाड़ बीएससी नर्सिंग कॉलेज में खेल महोत्सव तो राजसमंद जिले के धोइन्दा स्थित श्रीनाथ एज्यूकेशन इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एवं श्रीनाथ बीएससी नर्सिंग कॉलेज में इन्द्रधनुषी रंगों से सराबोर वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ।

श्रीनाथ बीएससी नर्सिंग कॉलेज, कांकरोली

श्रीनाथ एजुकेशन इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, धोइंदा

मेवाड़ बीएससी नर्सिंग कॉलेज द्वारा गत दिनों दो दिवसीय मेवाड़ खेल महोत्सव राजस्थान कृषि महाविद्यालय मैदान में हर्षोल्लास एवं खेल भावना के साथ सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कॉलेज के निदेशक पंकज कुमार शर्मा व कैलाश सालवी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास होता है। क्रिकेट प्रतियोगिता में चतुर्थ वर्ष की टीम विजेता रही। बॉयज कबड्डी में प्रथम वर्ष की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वॉलीबॉल (बॉयज) में तृतीय वर्ष की टीम विजेता रही। बैडमिंटन (बॉयज) में चतुर्थ वर्ष के खिलाड़ियों ने विजेता का खिताब जीता। रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की टीम विजेता रही। गर्ल्स वर्ग में—कबड्डी में तृतीय वर्ष की टीम विजेता रही।

वॉलीबॉल में द्वितीय वर्ष की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन में भी द्वितीय वर्ष की छात्राएं विजेता रहीं। कॉलेज के प्राचार्य संदीप गर्ग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से आत्मविश्वास, सहयोग एवं सकारात्मक

मेवाड़ बीएससी नर्सिंग कॉलेज, उदयपुर

प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

इस अवसर पर कॉलेज स्टाफ विपुल जैन, कार्तिक गर्ग, योगिता सुथार, जीनल जोशी, रोहित मेघवाल, किरण सहित समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

धोइंदा (राजसमंद) स्थित श्रीनाथ नर्सिंग इंस्टीट्यूट का वार्षिकोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। जिसमें संस्कृति, प्रतिभा और टीम वर्क का शानदान प्रदर्शन देखने को मिला। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर मुख्य अतिथि पंकज कुमार शर्मा व रेणु शर्मा ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत नृत्य प्रदर्शन से हुई। मनमोहक नृत्य और भावपूर्ण कहानी कथन के अंदाज ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सेवाराम सैनी और प्राचार्य डॉ. राजकमल जैन ने भव्य आयोजन के लिए विद्यार्थियों व स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि सर्वांगीण विकास भी है।' कार्यक्रम में अजीता पी, सरोज महला, दिलीप जीनगर, पवन रैगर, निकिता कंवर कौशल पालीवाल आदि उपस्थित रहे।

श्रीनाथ बी.एस.सी. नर्सिंग कॉलेज, कांकरोली का वार्षिकोत्सव 'जलज' 2026 'साधना शिखर' में संपन्न हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि संस्थान प्रचार्य डॉ. राजकमल जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यार्थियों ने उनका मेवाड़ी पगड़ी और उपरना पहनाकर अभिनन्दन किया। सरस्वती एवं गणपति वंदना से उत्सव का आगाज हुआ। उन्होंने कहा कि वार्षिकोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, संस्कार और शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव है। मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। पवन वैष्णव, सिद्धी दशोरा, पुष्पा बैरवा, यशवर्धन गहलोत, रितिक शर्मा, वैशाली कीर, जसवीर कोर, महेंद्र जाटव, प्रिया पालीवाल उपस्थित रहे। दिलीप गर्ग द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

-रिपोर्ट : दिलीप गर्ग

प्रत्यूष

राजस्थान साहित्य अकादमी स्थापना दिवस

कला, साहित्य और संस्कृति की पूरे वेग से बही त्रिवेणी

विष्णु शर्मा हितैषी

राजस्थान साहित्य अकादमी का 68वां स्थापना दिवस अकादमी सभागार में 28 जनवरी को पुस्तक प्रदर्शनी, क्राफ्ट और पेंटिंग प्रदर्शनी तथा गीत, नृत्य, कहानी वाचन के साथ संपन्न हुआ। वंदेमातरम् गीत रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर रचयिता बंकिमचन्द्र चटर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गीत की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। 'साहित्य की चुनौतियां और राजस्थान साहित्य अकादमी' विषय पर संवाद भी हुआ। समारोह की अध्यक्षता संभागीय आयुक्त एवं अकादमी प्रशासक प्रज्ञा केवलरमानी ने की। विशिष्ट अतिथि विष्णु शर्मा हरिहर, लोकेश भारती और प्रो. गायत्री तिवारी थीं। इस अवसर पर अकादमी द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका मधुमति के विशेष अंक का विमोचन भी हुआ। अकादमी सचिव डॉ. बसंतसिंह सोलंकी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अकादमी साहित्य सृजन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए अकादमी के प्रथम संस्थापक – अध्यक्ष पं. जनार्दन राय नागर को याद किया। कार्यक्रम का आगाज डॉ. शारदा भट्ट की सरस्वती वंदना से हुआ। यह आयोजन साहित्य कला और संस्कृति का अनूठा संगम था। प्रदेश की जानी-मानी नाट्य संस्था टीम ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से आयोजन को गरिमा प्रदान की। टीम सचिव व रंगकर्मी सुनील टांक ने बताया कि 'कहानी वाला रजत' ने साहित्यकारों के बीच अपनी आवाज का जादू बिखेरा। छोटी-छोटी कहानियों ने श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं। अंतरराष्ट्रीय शिल्पकार हेमंत जोशी ने विचार रखते हुए कहा कि जिंदगी एक दीवार की तरह है और उसमें यदि एक खिड़की बना दी जाए तो ठंडी बयार और उसकी पुरवाई को महसूस किया जा सकता है। उनका सुझाव था कि यदि साहित्य अकादमी की पहुंच सरकारी विद्यालयों तक हो जाए तो भारत का भविष्य अपनी जड़ों से जुड़ सकेगा। नृत्यांगना शैली श्रीवास्तव ने समूह के साथ ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसमें विभिन्न नृत्य शैलियों के रंग बिखरे और दर्शकों की भरपूर वाहवाही मिली। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शारदा पोटा ने 'साहित्य की दिशा और दशा' पर विचार व्यक्त किए। प्रस्तुतियों और चर्चा के साथ प्रदर्शनियों ने भी समारोह में विशेष आकर्षण पैदा किया। स्केच आर्टिस्ट राहुल माली ने मुख्य अतिथि का प्रत्यक्ष स्केच बनाकर उन्हें भेंट किया। वरिष्ठ साहित्यकार व आलोचक कुंदन माली की किताबों से दर्शक उनके लेखन से रूबरू हुए। वहीं नीलोफर मुनीर की चित्रांकन, क्राफ्ट और पेपरमेशी की कलाकृतियां और रूचि सुखवाल की आर्टिसन पोटली क्राफ्ट में वेस्ट मैटेरियल से बनी अनूठी कलाकृतियों ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया।

'राजस्थानी साहित्य' संवाद

जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय 'पिंकफेस्ट' में राजस्थानी साहित्य विषय पर संवाद हुआ, जहां साहित्यकारों और विद्वानों ने राजस्थान की समृद्ध साहित्यिक परंपरा, लोककथाएं, भाषा व कविता पर गहन चर्चा की। सत्र की अध्यक्षता साहित्य मनीषी व वरिष्ठ पत्रकार वेद व्यास ने की। संवाद सत्र में डॉ. शारदा कृष्ण, हरिमोहन सारस्वत और मेवाराम गुर्जर ने दर्शकों को राजस्थानी साहित्य की विविधता, उसकी ऐतिहासिक धरोहर और आधुनिक संदर्भ में उसकी प्रासंगिकता से परिचित कराया।वक्ताओं ने कहा कि राजस्थानी साहित्य राजस्थान की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का एक अनमोल हिस्सा है। यह केवल भाषा और शब्दों का खजाना नहीं, बल्कि राजस्थान की जीवनशैली,

सामाजिक मान्यताओं, लोक कथाओं और भावनाओं को भी संरक्षित करता है।

दोबारा उगाए जा सकेंगे असली दांत

लंदन. आने वाले समय में असली और जैविक दांतों को लैब या सीधे मुंह में दोबारा उगाया जा सकेगा।

लंदन के किंग्स कॉलेज के शोधकर्ता अब लैब में ऐसे दांत विकसित कर रहे हैं, जो एकदम प्राकृतिक दांतों की तरह ही होंगे, जैसे पेड़-पौधे जमीन पर उगते हैं।

साल 2013 में वैज्ञानिकों की टीम ने मानव और चूहे की कोशिकाओं से दांत उगाए थे। अब उनके हालिया शोध में उन्होंने प्रयोगशाला (लैब) में दांत उगाने की तकनीक को और बेहतर बनाया है।

इस शोध में उन्होंने एक नया ढांचा इस्तेमाल किया है, जो हाइड्रोजेल नामक पदार्थ से बना है। इसमें दांत बनाने वाली कोशिकाओं को

रखा जाता है और आठ दिनों में छोटे दांत जैसी संरचनाएं तैयार हो जाती हैं।

हाइड्रोजेल की मदद से कोशिकाएं मिलकर सही तरह से प्राकृतिक दांत बना पाती हैं।

भविष्य में लैब में उगाए गए दांतों को दो तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है। पहला, दांत को आंशिक रूप से विकसित करके मरीज के खोए हुए दांत की जगह लगाया जा सकता है। वहां यह पूरी तरह से विकसित होकर प्राकृतिक दांत की तरह काम करेगा। दूसरा, वैज्ञानिक दांत को लैब में पूरी तरह से विकसित करेंगे, फिर सर्जरी करके उसे मुंह में लगा देंगे।

शोधकर्ताओं के अनुसार अगर दांत मरीज की अपनी कोशिकाओं से बने हों, तो यह शरीर में आसानी से स्वीकार हो जाते हैं। लैब में तैयार किए गए ये दांत एकदम प्राकृतिक दांत की तरह महसूस होंगे और इसमें संवेदना और लचीलापन भी होगा।

दो हजार फीट की ऊंचाई पर कसरत

रियाद। सऊदी अरब के रियाद में दुनिया की सबसे ऊंची जिम क्लास शुरु की गई है। यह क्लास हॉट एयर बैलून में 2200 फीट (670 मीटर) की ऊंचाई पर है। इसमें प्रतिभागी फुल बॉडीस्ट्रैंथ और कंडीशनिंग वर्क आउट (कसरत) करते हैं। ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन के कारण शरीर में रेड ब्लड सेल्स और हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ती है, जिससे मांसपेशियों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है और रिकवरी तेज होती है। प्रतिभागी इस दौरान 5-15 फीसदी ज्यादा कैलोरी बर्न करते हैं। क्लास में क्लाउड क्रशर, एल्टीट्यूड लंग्स, ओवरहेड एसेंट, विंग स्पैन और बाइसेप-टेक-ऑफ जैसे मूवमेंट शामिल है। 30 मिनट के वर्कआउट से पहले जमीन पर डायनामिक वार्म-अप और स्ट्रेचिंग सेशन होता है।

Happy Holi

Ambalal Sahu
Director
09413663899

Manish
Director
09413318489

Lavish Sahu
Director
7073018489

SALE & PURCHASE

- Plots
- Baunglow
- Ag. Land
- Flat
- Cont. Land
- Shop
- Farm House
- Office

SKR Properties

G-27, Anand Plaza, Near Ayad Puliya, Udaipur - 313 001 (Raj.)

दिनेश गुप्ता
डायरेक्टर
94142 39513

मनीष गुप्ता
डायरेक्टर
98870 08943

मोहित गुप्ता
डायरेक्टर
98871 84032

होली की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्री जी कलेक्शन

जेन्ट्स, लेडिज एवं बच्चों के
रेडिमेड कपड़ों के विक्रेता

धानमण्डी चौक, घण्टाघर के सामने,
उदयपुर – 313 001 (राज.)

'प्रत्यूष' का माह फरवरी अंक प्राप्त हुआ बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले थम नहीं रहे हैं, रोज वहां से किसी न किसी हिंदू की हत्या की खबर आती है। चुनाव के दिन सुबह ही एक और हिंदू मारा गया। एक मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक जून से 2025 दिसंबर के बीच कम से कम 71 हमले वहां हिंदुओं पर हुए। उसके बाद तो ग्राफ और भी तेजी से बढ़ा है। ये घटनाएं 30 से ज्यादा जिलों में दर्ज की गई हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय इन घटनाओं से परेशान है, लेकिन परेशानी को झेलते जाना ही इस समस्या का समाधान नहीं है, इस संबंध में मजबूती से आंख दिखानी होगी, क्योंकि लातों के भूत, बातों से मानने वाले नहीं। इस संबंध में फरवरी प्रत्यूष का अग्रलेख सामयिक था और उसी परिप्रेक्ष्य में आगे बढ़ना जरूरी है।

सुरेश खत्री, डायरेक्टर, अर्निका किचन

'प्रत्यूष ' के फरवरी अंक में अरावली श्रृंखला संरक्षण को लेकर प्रकाशित पंकज कुमार शर्मा और अशोक कुमार के आलेख अच्छे थे। निश्चय ही अरावली पर्वत श्रेणियां केवल न तो निर्जीव पत्थरों का ढेर है और न ही भू माफियाओं की अभयस्थली, यह उत्तर भारत का सुदृढ़ सुरक्षा कवच भी है, जीवनदायी पर्यावरण भी। अरावली पर्वत थार मरूस्थल की उड़ती रेत को गंगा के उपजाऊ मैदानों और दिल्ली की– एनसीआर की ओर बढ़ने से रोकता है।

शांतिलाल जैन, सीएमडी, आदर्श एंटरप्राइजेज

भूपाल नोबल्स संस्थान ने मेवाड़ में शिक्षा–दीक्षा के सौ साल पूरे कर लिए, यह पढ़कर प्रसन्नता हुई। 104वें स्थापना दिवस की रिर्पोटिंग 'प्रत्यूष' के फरवरी अंक में देखने को मिली। मेवाड़ के महाराणाओं ने जिस तरह से मेवाड़ की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए बलिदान दिए उसी शिद्दत से उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास के क्षेत्र में भी अप्रतिम योगदान दिया। महाराणा प्रताप व महाराणा भूपाल सिंह को शत्–शत् नमन।

लक्ष्मण शाह, डायरेक्टर, गणेश हैण्डीक्राफ्ट एंड एम्पोरियम

प्रति माह नियत समय पर मिलने वाला 'प्रत्यूष' फरवरी–26 का अंक मिला। इसमें जिस विशेष आलेख ने मेरा ध्यान आकृष्ट किया, वह भगवान प्रसाद गौड़ का 'पैरा–सोशल रिश्ते और बढ़ती चुनौतियां' था। यह सही है कि तुरंत समाधान, परिणाम, और खुशी की चाह ने सोशन मीडिया को ही अपना पथ प्रदर्शक मान लिया है। जब कि पैरा सोशल रिश्ते मूलतः एकतरफा होते हैं। इससे न केवल समाज में परस्पर अविश्वास और सद्भाव बल्कि रिश्तों का तानाबाना कमजोर हो रहा है। ऐसे में जरूरी है कि इसका उपयोग हम संतुलन और विवेक से करें, अन्यथा हम भावनाओं और संवेदना को ही खो बैठेंगे।

विनोद जैन, डायरेक्टर, जैन ट्रांसपोर्ट

अध्ययन

भारत में हर साल घट रही धूप की अवधि

भारत में हर साल धूप की अवधि कम हो रही है। पिछले तीन दशकों में देश के हर हिस्से में सूर्य के प्रकाश की अवधि में गिरावट दर्ज की गई है।

बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय (बीएचयू) के प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुए इस साझा अध्ययन में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में इस अध्ययन को प्रकाशित किया गया है। शोध दल ने 1988 से 2018 के बीच देश के 20 मौसम केन्द्रों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। नौ भौगोलिक क्षेत्रों पूर्वी-पश्चिमी तट, उत्तरी अंतर्देशीय, मध्य भारत, डेक्कन पठार,हिमालय, उत्तर-पूर्व, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में सूर्यप्रकाश के रूझानों का अध्ययन चौंकाने वाला था। पता चला कि भारत के ज्यादातर हिस्सों में हर वर्ष सूर्यप्रकाश की अवधि घट रही है। उत्तरी भारत में यह गिरावट सबसे अधिक 13.5 घंटे प्रति वर्ष दर्ज हुई। हिमालय क्षेत्र में 9.47 घंटे, पश्चिमी तट पर 8.62 घंटे, पूर्वी तट पर 4.88 घंटे, मध्य भारत में 4.71 घंटे प्रति वर्ष की गिरावट दर्ज हुई।

प्रदूषण भी बड़ी वजहः शोधकर्ताओं के अनुसार, यह गिरावट वायुमंडलीय प्रदूषण, एरोसोल्स की बढ़ती मात्रा, बादलों की अधिकता और शहरीकरण से हो रही है। इन कारणों से पृथ्वी की सतह तक पहुंचने वाले सूर्यप्रकाश में कमी आती है, जिसे वैश्विक स्तर पर 'सोलर डिमिंग' कहा जाता है। चूंकि, धूप की अवधि सौर ऊर्जा उत्पादन, कृषि उत्पादकता और जलवायु संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है। यह अध्ययन भारत की नवीकरणीय ऊर्जा योजना और पर्यावरण नीतियों के लिए महत्वपूर्ण संकेत देता है।

प्रत्यूष

जब आंतें पेट के निचले हिस्से से बाहर आ जाती हैं और सूजन या मांस की थैली की तरह प्रतीत होती हैं, उसे हर्निया का लक्षण माना जाता है।

मांसपेशियों में कमजोरी से होता है हर्निया

डॉ. ऋषि नायर

शरीर के आंतरिक अंगों का विकास बाहरी तरफ की दीवार की ओर होना हर्निया होता है। यह मांसपेशियों में कमजोरी के कारण होता है। हर्निया एक ऐसी समस्या है, जिसका इलाज केवल सर्जरी ही है। बढ़ती उम्र के साथ मांसपेशियों के कमजोर होने से यह समस्या ज्यादा होती है। हर्निया कई प्रकार के होते हैं लेकिन तीन प्रकार विशेष हैं। इंग्वाइनल हर्निया (विक्षण हर्निया) लगभग 70 प्रतिशत रोगियों को यही हर्निया होता है, इसमें पेट से आंते या अन्य अंग, जांघ की पतली नली से होते हुए अंडकोष में खिसक जाते हैं। दूसरा अम्बिलाइकल हर्निया इस (नाभि हर्निया) में पेट की सबसे कमजोर मांसपेशी, हर्निया की थैली नाभि से बाहर निकल जाती है, लगभग 8 से 10 प्रतिशत केस में यह हर्निया होता है। तीसरा इनसीजनल हर्निया (जघनास्थिक हर्निया) 10 प्रतिशत लोगों को होता है, इसमें पेट के अंग जांघ की पैर में जाने वाली धमनी में मौजूद मुंह से बाहर निकल आते हैं। सर्जरी कराने के बाद पेट में टांके लगने से मांसपेशियों के कमजोर हो जाने के कारण कई बार यह हर्निया हो जाता है।

कारण

मोटापा, पहले से लंबी खांसी, मूत्र रोग या प्रोस्टेट संबंधित समस्या होना, कब्ज की बीमारी यदि पहले से है, तो हर्निया की शिकायत होने की आशंका बढ़ जाती है। परिवार में यदि पहले से मांसपेशियों की कमजोरी की शिकायत हो तो यह होने की आशंका ज्यादा रहती है। कॉन्गिकल हर्निया जन्म के साथ ही नसों की कमजोरी के कारण हो जाता है। ज्यादा वजन उठाने के कारण यह समस्या हो सकती है जैसे वेट लिफ्टर्स, बोझा मजदूर को यह समस्या होने की आशंका ज्यादा रहती है।

बचाव के तरीके

- अपनी क्षमता से अधिक वजन नहीं उठाना चाहिए।
- मूत्र रोग, कब्ज, पेट संबंधी समस्या या कोई भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर समय रहते डॉक्टर को दिखाना चाहिए।
- कब्ज की समस्या को हल्के में न लेकर समय रहते इलाज कराना चाहिए।
- फाइबर युक्त आहार जैसे दाल में तुअर, चना, राजमा, फलों, सब्जियों आदि का सेवन करना फायदेमंद है।
- सही फिटिंग के आरामदायक अंर्तवस्त्रों को पहनना चाहिए।

लक्षण

जांघ, नाभि या पिछले ऑपरेशन के चीरे के निशान के पास होने वाली सूजन हर्निया का लक्षण हो सकती है। ज्यादातर इसमें कोई दर्द नहीं होता और लेटने या दबाने से यह सूजन कम भी हो जाती है। कई बार इसके लक्षण दिखाई व समझ नहीं आते। अगर आंत हर्निया की थैली में फंस जाए तो यह सूजन दबाने से भी कम नहीं होती और ऐसे में इलाज की देरी करने पर आंतों में खून की धमनियां दबाव के कारण बंद हो जाती हैं। ऐसे मामलों में इसकी अनदेखी जानलेवा हो सकती है।

इलाज

सामान्यत: छोटे हर्निया के मामले में चीरा लगाया जाता है। इसके अलावा उभार वाले भाग को अंदर कर क्षतिग्रस्त हिस्से को ठीक कर दिया जाता है। तथा जाली लगा दी जाती है। मरीज के घाव भरने में 10 से 15 दिन का वक्त लगता है। मरीज को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह कम से कम दो से तीन महीने तक कोई भी भारी काम न करे। ऑपरेशन के बाद शरीर कमजोर हो जाता है। इसके दुरूरत होने में कम से दो से तीन महीना लगता है।

(लेखक अनुभवी यूरोलॉजिस्ट है।)

ईद की दावत

कला केडिया

स्पेशल रबड़ी सिंवइयां

सामग्री– सिवइंया–एक कप, घी–एक चम्मच, सूखे मेवे कटे हुए–1/2 कप, दूध–2 किलो, चीनी–एक कप, इलाचयी पाउडर–एक चम्मच, पानी–2 कप।

यूं बनाए: रबड़ी बनाना: दूध को एक कड़ाही में उबलने के लिए रख दें। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो उसमें चीनी डाल दें और उबलने दें। जब लच्छे पड़ने लगें तो गैस बंद कर दें और इलायची पाउडर डाल दें।

सिंवइयां बनाना– सिंवइयों को एक चम्मच घी में हल्का गुलाबी होने तक सेंक लें। फिर उसमें पानी और सूखे मेवे डाल दें। जब पानी सूख जाए, तो गैस बंद कर दें।

सर्व करना– एक गिलास लें। उसमें पहले रबड़ी डालें। फिर सिंवइयां और फिर से रबड़ी डालकर सर्वकरें।

रोलर पास्ता

सामग्री: पास्ता कोई भी 2 कप, चीनी एक कप, काजू व बादाम कटे आधा कप, केसर की पत्ती गुलाबजल में भिगी हुई पांच से सात, नारियल का बुरादा– दो चम्मच, चीनी एक कप।

यूं बनाएं: सबसे पहले कच्चे पास्ता को घी में भून लें और उसी पास्ता को उबाल लें। फिर छान लें और ठंडा पानी डालकर फिर छान लें। उसके बाद एक कड़ाही में चीनी और आधा कप पानी डालें। पांच मिनट पका लें। उसके बाद पास्ता, नारियल का बुरादा, काजू, बादाम और भिगी केसर डालकर दो मिनट पका लें। इसे गरमा–गरम परोसें।

ईद शाही रोट

सामग्री: आटा– आधा कप, मैदा– एक कप, काजू पाडडर एक चम्मच, खसखस–एक चम्मच, नारियल का बुरादा–एक चम्मच, दूध–एक कप, नमक आधा चम्मच, चीनी–आधा चम्मच, अजवाइन आधा चम्मच, घी सेकने के लिए।

यूं बनाएं: सभी चीजों को मिलाकर आटा गूंथ लें और दस मिनट छोड़ दें। उसके बाद मोटे रोट बना लें और धीमी आंच पर सेंक लें। फिर इसे दूध के साथ सर्व करें।

अंगूर दाने

सामग्री: उड़द की दाल आधा किलो, इलायची पाउडर आधा चम्मच, केसर की पत्ती गुलाब जल में भीगी हुई– 8 से 10, चीनी 4 कप, पानी 2 कप, घी।

यूं बनाएं: उड़द की दाल को 2 घंटे भिगो दें और फिर महीन पीस लें। उसके बाद कड़ाही में घी डालें और लम्बी–लम्बी पकौड़ी सेक लें। फिर एक पैन में चीनी और पानी डालकर चाशनी बनाएं। चाशनी एक तार की होनी चाहिए। फिर इस चाशनी की गैस बंद कर दें और पकौड़ी केसर, इलाचयी डाल दें और दो घंटे के लिए छोड़ दें।

मुबारका बिरयानी

सामग्री: चावल 2 कप, दही एक कप, गाजर एक, शिमला मिर्च एक, पत्तागोभी कटी आधा कप, प्याज 2, अदरक, लहसुन का पेस्ट एक छोटा चम्मच, केसर 10 से 12 पत्ते, गुलाब जल एक चम्मच, लालमिर्च आधा चम्मच, गरम मसाला आधा चम्मच, नमक स्वादानुसार, घी एक बड़ा चम्मच, तेजपत्ता 2, दालचीनी पाउडर 1/4 चम्मच, जीरा आधा चम्मच।

यूं बनाएं: चावल को दो घंटे के लिए भिगो दें। सभी सब्जियां चौकोर काट लें और केसर गुलाब जल में भिगो दें। फिर एक कड़ाही लें। उसमें घी डालें, फिर जीरा डालें। प्यास और अदरक, लहसुन का पेस्ट डालकर भून लें। फिर सभी सब्जियां डाल दें। सभी मसाले और नमक डालें, फिर थोड़ा सा पानी डालकर उबाल लें। जब सब्जियां थोड़ी पक जाएं तो उसमें आधा दही डाल दें और पकने दें। उसके बाद चावल में पानी, तेजपत्ता, लोंग, गरम मसाला डालकर 75 फीसदी उबाल लें और छान लें। एक हांडी लें। उसमें सबसे पहले सब्जियां डालें। थोड़ी केसर डालें, फिर चावल डालें। बाद में बचा दही, थोड़ा सा गरम मसाला और दालचीनी का पाउडर डालें। ऊपर से कपड़ा या फॉइल पेपर लगा दें और 220 सेंटीग्रेट पर 15 मिनट तक पका लें। आप इसे गैस तंदूर में भी पका सकती हैं।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

विनोद जैन
डायरेक्टर
9928414567

नितेश - 8529701185
मनोज - 7976811911

जैन
ट्रान्सपोर्ट कम्पनी®

बुकिंग एवं डिलेवरी ऑफिसः Mob.: 7823865656, 9414702556
100 फीट रोड, शोभागपुरा, ज्योति नगर के पास, उदयपुर- 313 001

बुकिंग ऑफिसः डी-ब्लॉक, सब सिटी सेंटर, उदयपुर मोः 9351536133

बुकिंग ऑफिसः 3-छतरी वाला चौक, देहलीगेट अंदर, उदयपुर फोनः 0294-2423301
9530209256

जोधपुर
बुकिंगः 58, ट्रक टरमिन्स, बासनी (राज.) फोनः 0291–2634934
बुकिंगः J–9–1, कृषि उपज मण्डी, मंडोर रोड, जोधपुर
डिलीवरीः 92, ट्रक टरमिन्स, बासनी, फोनः 6375173822

पाली
C/o महादेव ट्रांसपोर्ट कम्पनी, B–38–39, ट्रांसपोर्ट नगर, पाली
मो.: 9982029781, 9462768171, फोनः 02932–223239

डूंगरपुर
हॉस्पीटल सर्कल, RSEB क्वाटर के पास, डूंगरपुर – 314001
मो.: 7297839339, 7357266566

भीलवाड़ा
प्लॉट नं. 123–124, संत कंवर राम ट्रांसपोर्ट के पीछे, ट्रांसपोर्ट नगर,
भीलवाड़ा (राज.) मो.: 09530343336

ब्यावर
गणपति ट्रांसपोर्ट कं., अजमेरी गेट के बाहर,
ब्यावर, मो.: 9314355808, फोनः 01462–258976

बांसवाड़ा
गली नं. 3, रिजर्व पुलिस लाईन के सामने, दाहोद रोड़, बांसवाड़ा
मो.: 9461573735, 7357882729

डेली सर्विस

उदयपुर से नाथद्वारा, कांकरोली, राजनगर, केलवा, गोमती, आमेट, देवगढ़, भीम, ब्यावर, कुंवारिया, गंगापुर, कोशीथल, रायपुर, करेड़ा, आसिंद, बदनोर, भीलवाड़ा, मावली, फतेहनगर, कपासन, भोपालसागर, चित्तौड़, बेगु, बस्सी, चंदेरिया, निम्बाहेड़ा, भीण्डर, कानोड़, छोटी सादड़ी, बड़ी सादड़ी, धरियावद, प्रतापगढ़, मंदसौर, नीमच बांसवाड़ा, खेरवाड़ा, डूंगरपुर, सिमलवाड़ा, सागवाड़ा, परतापुर, बिछीवाड़ा पाली, जोधपुर, बालोतरा, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, जालोर।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

नौकरी पेशा जातकों को इस माह ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ेगी, दबाव भी रहेगा। व्यापार करने वालों को मेहनत का लाभ मिलेगा, विदेश व्यापार से आय में वृद्धि के योग बनेंगे। माह के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है। विदेश यात्रा के प्रबल योग हैं।

वृषभ

यह माह अनुकूल प्रतीत होता है। महिने के अंत में खर्च में वृद्धि लेकिन, व्यापार में वृद्धि के भी योग हैं। पारिवारिक मामलों में उतार–चढ़ाव संभव है, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सावधानी रखनी होगी। नौकरी केसिलसिले में यात्रा योग बनेंगे, माह के अंत में अचल संपत्ति में वृद्धि होगी।

मिथुन

यह माह खुशी प्रदान करेगा, नौकरी पेशा के स्थानानतरण योग बन सकते हैं, कार्यक्षेत्र में मेहनत बढ़ेगी, व्यवसाय में सफलता और भाग्य का साथ मिलेगा। निष्पादित कार्य में श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होंगे। रिश्तों में प्रगाढ़ता आयेगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, आर्थिक पक्ष ठीक है।

कर्क

खर्च में तेजी आयेगी, आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव रहेगा। लंबी यात्रा के योग बनेंगे, नौकरी पेशा जातक को अधिक मेहनत एवं काम का दबाव सहना होगा। विरोधियों पर नियंत्रण। व्यापार में लाभ एवं यात्राएं करनी पड़ेगी, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से परेशानी हो सकती हैं।

सिंह

स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। माह का उत्तरार्ध लंबी यात्राओं के साथ खुशी देगा। नौकरी पेशा जातक माह के पूर्वार्ध में सजग रहें, उत्तरार्ध अनुकूल रहेगा। व्यापारी वर्ग धैर्य और शांति से काम ले, दाम्पत्य जीवन में न्यूनता बनेगी, आर्थिक पक्ष मिला–जुला परिणाम देगा।

कन्या

स्वास्थ्य समस्याएं चुनौती बन सकती हैं। कार्यस्थल पर और निजी जीवन में विरोधी परेशानी पैदा कर सकते हैं। सावधान रहें। मानसिक तनाव बढ़ सकता है, परिवार का सहयोग रहेगा। व्यवसाय में उतार–चढ़ाव रहेगा।

तुला

मौजूदा समस्याओं के प्रति सावधानी के साथ–साथ सतर्कता बरतें। स्वयं पर नियंत्रण रखें, नौकरी में बदलाव का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापारिक गतिविधियों के लिए उत्तम समय है, आर्थिक पक्ष अनुकूल है, उदर संबंधी समस्याएं उभर सकती हैं।

इस माह के पर्व/त्योहार

2 मार्च	फाल्गुन शुक्ल चर्तुदशी	होलिका दहन
3 मार्च	फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा	धूलंडी
8 मार्च	फाल्गुन कृष्ण पंचमी	श्री रंग पंचमी, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
10 मार्च	फाल्गुन कृष्ण सप्तमी	शीतला सप्तमी पूजा
11 मार्च	फाल्गुन कृष्ण अष्टमी	शीतलाष्टमी पूजा/बासोड़ा, श्री ऋषभदेव जयंती (केशरिया जी मेला)
13 मार्च	फाल्गुन कृष्ण दशमी	दशामाता व्रत पूजा
19 मार्च	चैत्र कृष्णा 30 / प्रतिपदा	नवरात्रि घट स्थापना
20 मार्च	चैत्र शुक्ल द्वितीया	भगवान झूलेलाल जयंती
21 मार्च	चैत्र शुक्ल तृतीया	ईद-उल-फितर (चांद से)
26 मार्च	चैत्र शुक्ल अष्टमी	दुर्गाष्टमी / जवारा विसर्जन
27 मार्च	चैत्र शुक्ल नवमी	श्री राम नवमी
30 मार्च	चैत्र शुक्ल द्वादशी	राजस्थान स्थापना दिवस
31 मार्च	चैत्र शुक्ल त्रयोदशी	भगवान महावीर जयंती

वृश्चिक

नौकरी में उतार–चढ़ाव एवं बाधाए संभव हैं। व्यापार के लिए समय अनुकूल रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम समय है, भौतिक सुख में वृद्धि होगी, पारिवारिक जीवन में उतार–चढ़ाव के बावजूद सामंजस्य रहेगा, छाती एवं पेट से जुड़ी समस्याएं परेशानी दे सकती हैं।

धनु

नौकरी पेशा जातकों को सहकर्मियों से अच्छा सहयोग एवं सम्बल मिलेगा। व्यापार में उन्नति एवं सफलता मिलेगी, पारिवारिक मामलों में उतार–चढ़ाव रहेगा, आर्थिक तौर पर यह माह मध्यम रहने वाला है, कन्धों, मांसपेशियों, एवं जोड़ों का दर्द परेशान कर सकता हैं। दिनचर्या व्यवस्थित रखें।

मकर

परिवार व मित्रों में वाद–विवाद की स्थितियां बन सकती हैं। आर्थिक तौर पर समय अच्छा है। आर्थिक प्राप्ति के योग हैं। नौकरी पेशा जातक मेहनत के प्रतिफल स्वरूप पदोन्नति प्राप्त करेंगे, व्यापार में कठिन परिश्रम करना होगा, एवं परिणामों में कमी रहेगी, आंखों एवं जोड़ो में दर्द संभव है।

कुम्भ

स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। नौकरी पेशा को असंतुष्टि का सामना करना पड़ेगा, आपसी नोक–झोक एक झगड़े की स्थितियां संभव है। व्यवहार पर नियंत्रण रखें। व्यापार करने वाले जातक को वाणी एवं बाजार की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, बुद्धिमता का प्रयोग करें। आर्थिक पक्ष माह के उत्तरार्द्ध से सुधरेगा।

मीन

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण खर्च में वृद्धि रहेगी। नौकरी पेशा जातकों के लिए यह माह अच्छा है। विदेश व्यापार करने वालों के लिए अच्छे संकेत हैं। विद्यार्थी वर्ग के लिए महिना ठीक–ठाक है। जोड़ो में दर्द, आंखों से संबंधित समस्याएं, सिर दर्द आदि से परेशानी रहेगी।

फिटनेस का मतलब सिर्फ छरहरा शरीर, जिम या भारी एक्सरसाइज नहीं होता। असली फिटनेस वे छोटे-छोटे संकेत हैं, जो शरीर रोजमर्रा जिंदगी में हमें खुद दे देता है। बिना अलार्म के नींद न खुलना, समय पर भूख लगना, जल्दी बीमार न पड़ना और सांस का न फूलना- ये सभी इस बात के संकेत हैं कि आपका शरीर भीतर से स्वस्थ और संतुलित है।

फिटनेस रोजमर्रा की आदत का नतीजा

शिल्पा नागदा

आज के समय में फिटनेस को अक्सर वजन घटाने या मसल्स बनाने के तक सीमित कर दिया गया है, जबकि शरीर की असली सेहत इनसे कहीं आगे होती है। जब शरीर सही तरीके से काम कर रहा होता है, तो वह हमें साफ संकेत देता है, बस जरूरत है उन्हें पहचानने की।

अगर आपकी नींद बिना अलार्म के अपने-आप खुल जाती है और उठने पर भारीपन या थकान महसूस नहीं होती, तो यह अच्छे स्वास्थ्य का बड़ा संकेत है। इसका मतलब है कि आपकी बॉडी क्लॉक संतुलन में है और नींद की गुणवत्ता बेहतर है। अच्छी नींद हार्मोन संतुलन, इम्युनिटी और मानसिक स्वास्थ्य से सीधे जुड़ी होती है। समय पर और सही भूख लगना भी फिटनेस का अहम पैमाना है।अगर आपको भोजन के तय समय पर भूख लगती है और बहुत ज्यादा या बिल्कुल भी न लगने की समस्या नहीं है, तो यह दर्शाता है कि आपका पाचन तंत्र ठीक से काम कर रहा है। स्वस्थ पाचन ही शरीर को ऊर्जा और पोषण देता है।

फिट शरीर का एक और संकेत है-छोटी-मोटी बीमारियों से जल्दी उबर जाना। सर्दी-खांसी या वायरल कुछ दिनों में ठीक हो जाए और बार-बार एंटीबायोटिक की जरूरत न पड़े, तो समझिए आपकी इम्युनिटी मजबूत है। मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र शरीर को अंदर से सुरक्षित

रखता है। अगर आप सीढ़ियां चढ़ते समय, तेज चलने या हल्की दौड़ में भी हांफते नहीं हैं, तो यह आपके दिल और फेफड़ों की अच्छी सेहत का प्रमाण है। सांस का न फूलना दर्शाता है कि ऑक्सीजन का संचार बेहतर है और आपकी कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस अच्छी स्थिति में हैं। दिनभर ऊर्जा बनी रहना और बार-बार सुस्ती महसूस न होना भी फिटनेस का संकेत है। अगर आपको काम के दौरान अत्यधिक थकान, चिड़चिड़ापन या ध्यान भटकने की समस्या नहीं होती, तो यह मानसिक और शारीरिक संतुलन को दशार्ता है। पाचन से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, एसिडिटी या कब्ज-अगर कम रहती है, तो यह आपके गट हेल्थ के अच्छे होने का संकेत है। स्वस्थ आंतें न केवल भोजन पचाती हैं, बल्कि इम्युनिटी और मूड को भी प्रभावित करती हैं। त्वचा का साफ और चमकदार रहना, बालों का कम झड़ना और नाखूनों का मजबूत होना भी शरीर की अंदरूनी सेहत को दर्शाता है। ये संकेत बताते हैं कि शरीर को सही मात्रा में पोषक तत्व मिल रहे हैं। मानसिक रूप से संतुलित रहना, छोटी-छोटी बातों पर अत्यधिक तनाव न होना और भावनाओं पर नियंत्रण भी फिटनेस का अहम हिस्सा है। फिट शरीर के साथ-साथ फिट दिमाग भी जरूरी है। महिलाओं में नियमित मासिक चक्र और पुरुषों में स्थिर हार्मोन स्तर भी अच्छे स्वास्थ्य का संकेत माने जाते हैं। हार्मोनल संतुलन बिगड़ने पर थकान, वजन बढ़ना और मूड स्विंग्स जैसी समस्याएं सामने आती हैं।

प्रत्यूष समाचार

ओसवाल सभा चुनाव 2026: टीम प्रकाश ने जीती सभी 51 सीटें

उदयपुर। ओसवाल सभा 2026 के गत दिनों संपन्न चुनाव में टीम प्रकाश ने सभी सीटों पर जीत दर्ज की। इस चुनाव में अध्यक्ष और 50 कार्य परिषद के सदस्यों को चुना गया। सदस्यों में 15 महिलाएं और 35 पुरुष सदस्य हैं। पुरुष वर्ग में कुल 4401 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें से 457 मत खारिज हुए और 3944 सही पाए गए। इसमें अभिषेक पोखरना को सर्वाधिक 2814 प्राप्त हुए। वहीं महिला वर्ग में डॉ. गरीमा धींग को सर्वाधिक 2787 मत प्राप्त हुए। नवनिर्विचित अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्य परिषद सदस्यों की नवीन कार्यकारिणी का गठन तथा आगामी तीन वर्षों के कार्यक्रमों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सभा के अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों में प्रकाश कोठारी को 2850 मत प्राप्त हुए, वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी संजय भंडारी को 1635 ही मिले। 41 मत खारिज हुए। ऐसे में प्रकाश कोठारी 1210 मतों से विजयी रहे।

कार्य परिषद सदस्य

विजयी महिला प्रत्याशी: डॉ. गरिमा धींग, वंदना दक, श्वेता मेहता, रेखा मेहता, अनिता गांधी, किरण पोखरना, डॉ. नीता मेहता, रचिता मोगरा, रेखा भाणावत, नीलम दक, डॉ. प्रिया मेहता, रानु मेहता, मनीषा अलावत, डॉ. प्रमिला जैन और भाग्यश्री गन्ना।

पुरुष प्रत्याशी: अभिषेक पोखरना, अशोक नागोरी, कमल कोठारी, करणमल जारोली, धीरज भाणावत, पीसी कोठारी, राकेश कुमार नंदावत, मनीष मल्हारा, मुकेश मोगरा, दिलीप कंठालिया, सुनील मेहता, नरेन्द्र वया, फतहलाल कोठारी, प्रफुल्ल जारोली, कल्याण जारोली, दिलीप नलवाया, हिमांशु मेहता, वर्धमान मेहता, प्रवीण मेहता, प्रकाश वया, नरेन्द्र कोठारी, दिनेश बाबेल, जितेश कछारा, नरेश नीतिन नागोरी, फतहसिंह मेहता, मनोज मेहता, सुरेश भाणावत, राहुल दक, भूपेश खमेसरा, तरुण मोटावत, ललित जैन, सुभाष जैन, राजेन्द्र भूतलिया, रमेश बया, गोपाललाल जैन विजेता रहे।

नीरजा मोदी स्कूल में एंटरप्रिन्योरशिप फेस्ट

उदयपुर। सोजतिया ग्रुप संचालित नीरजा मोदी स्कूल में उदयपुर स्टूडेंट्स एंटरप्रिन्योरशिप फेस्ट 2.0 का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि नेहा पालीवाल, गजेंद्र सिंह सारंगदेवोत, अजयराज आचार्य, प्रियंका गोयल, सिद्धार्थ सिंघवी एवं कुणाल मलारा मेहता आदि उद्यमी थे, जिन्होंने अपने अनुभव बच्चों से साझा किए। इस फेस्ट में शहर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. महेंद्र सोजतिया ने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता के माध्यम से ही नया आयाम देना ही उद्यमिता है। ये छात्र केवल स्वयं के लिए नहीं बल्कि दूसरों को भी रोजगार के अवसर प्रदान कर आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकेंगे।

युवा संगठन के अध्यक्ष बने अभिषेक कालरा

उदयपुर जैकबआबाद युवा संगठन का गठन किया गया, जिसमें अभिषेक कालरा पहले अध्यक्ष निर्वाचित किए गए। शक्तिनगर श्री झूलेलाल भवन में जैकबआबाद सिंधी समाज की बैठक में युवाओं को संगठित करने और सामाजिक कार्यों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से इस युवा संगठन का गठन किया गया। श्री झूलेलाल सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष प्रतापराय चुग, पूज्य जैकबआबाद पंचायत अध्यक्ष हरीश राजानी के सानिध्य में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसमें प्रथम अध्यक्ष अभिषेक कालरा, महासचिव अमन असननानी, उपाध्यक्ष संजय खतूरिया, निखिल कटारिया को चुना गया।

डॉ. दिव्यानी प्रवक्ता नियुक्त

उदयपुर। भारतीय युवा कांग्रेस ने 22 राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की सूची जारी की है, जिसमें राजस्थान से मेवाड़ के आदिवासी अंचल की डॉ. दिव्यानी कटारा को राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

समाजसेवियों का बहुमान

उदयपुर। लाभ चंद्र जैन सेवा संस्थान प्रन्यास ट्रस्ट की ओर से सेक्टर 11 में नागरिक अभिनंदन समारोह 2026 आयोजित हुआ। कार्यक्रम में राजनीति, समाजसेवा, सहकारिता, पत्रकारिता और भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। संस्थान अध्यक्ष हिमांशु जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर को नागरिक अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। गीत जोशी गुप्ता, बाबूलाल ओड और कमलेंद्र सिंह पवार को भी सम्मानित किया।

मिरांडा स्कूल ने ओलंपियाड में जीते 134 गोल्ड मेडल

उदयपुर। मिरांडा स्कूल के 134 विद्यार्थियों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित ओलंपियाड परीक्षाओं में गोल्ड मेडल ऑफ़ एक्सीलेंस प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। गणित एवं विज्ञान ओलंपियाड में विद्यालय के 16 विद्यार्थियों ने टॉप-100 इंटरनेशनल रैंक में स्थान हासिल कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। इसके साथ ही 57 विद्यार्थियों का चयन द्वितीय चरण परीक्षा के लिए किया

गया है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक दिलीप सिंह यादव ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली का परिणाम है। ओलंपियाड जैसी प्रतियोगिताएं बच्चों में तार्किक सोच, नवाचार और आत्मविश्वास को मजबूत करती हैं। हमें विश्वास है कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी देश-विदेश में विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। प्रिंसिपल मोना पालीवाल ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है।

एचपीएलसी तकनीक से सटीक जांच: डॉ. अरविंदर

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक्स के सीईओ एवं तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. अरविंदर सिंह ने गुजरात एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स के वैज्ञानिक शैक्षणिक कार्यक्रम में डायबिटीज के निदान में आधुनिक एचपीएलसी की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. सिंह ने बताया कि एचबी ए1सी जांच तीन माह की औसत ब्लड शुगर दर्शाती है, लेकिन पारंपरिक जांच विधियों में कई बार त्रुटियां आ जाती हैं। एचपीएलसी तकनीक चार्ज आधारित सेपरेशन द्वारा अत्यंत सटीक परिणाम देती है, इसलिए इसे गोल्ड स्टेंडर्ड कहा जाता है। उदयपुर स्थित अर्थ डायग्नोस्टिक्स में नियमित रूप से एचपीएलसी आधारित एचबी ए1सी जांच की जा रही है, जिससे दक्षिण राजस्थान के मरीजों को अतंरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा मिल रही है। कार्यक्रम में ट्रांस एशिया के हेड अनिल जोटवानी द्वारा डॉ. सिंह को सम्मानित किया गया।

अश्विनी बाजार संघ का स्नेह मिलन

उदयपुर। अश्विनी बाजार व्यापार संघ का वार्षिक स्नेह मिलन एवं आमसभा निजी होटल में आयोजित की गई। कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री हरीश राजानी, चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष पारस सिंघवी, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपालसिंह राठौड़ और डिप्टी एसपी राजेश यादव बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। सभा की अध्यक्षता संघ अध्यक्ष एवं रेलवे बोर्ड सदस्य जयेश चंपावत ने की। संघ अध्यक्ष जयेश चंपावत ने बताया कि नववर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित यह स्नेह मिलन और आमसभा व्यापारियों के आपसी सौहार्द्र, सहयोग और संगठन की मजबूती को दर्शाती है।

आंचलिया और डॉ. वेद को इंटरनेशनल स्टार अवार्ड

उदयपुर। गुमनाम शहीदों की वीरगाथा लिखने वाले रिकॉर्ड होल्डर मनोज आंचलिया और डॉ. सीमा वेद को इंटरनेशनल स्टार अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके साहित्यक और शोध कार्यके लिए दिया गया। अवार्ड का सर्टिफिकेट इंटरनेशनल स्टार अवार्ड की फाउंडर मानसी बृजपाल ने जारी किया। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फैडरेशन मेवाड़ रीजन के अध्यक्ष अरुण मांडोत ने दोनों को सम्मान प्रदान किया।

गीतांजली हॉस्पिटल में ईपी मशीन

उदयपुर। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाते हुए गीतांजली हॉस्पिटल ने हृदय रोग उपचार के क्षेत्र में एक ओर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। हॉस्पिटल के हृदयरोग विभाग में अत्याधुनिक ईपी एवं आरएफए मशीन की स्थापना की गई है, जिससे हृदय की धड़कन संबंधी जटिल बीमारियों का अत्यंत सटीक और आधुनिक उपचार संभव हो सकेगा। हृदय रोग विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पटेल के अनुसार, ईपी मशीन की मदद से हृदय की विद्युत गतिविधियों की गहराई से जांच कर बीमारी की जड़ तक पहुंचना संभव होगा। इससे बिना बड़ी सर्जरी के कई जटिल हृदय रोगों का इलाज किया जा सकेगा और उपचार की सफलता दर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ईपी विशेषज्ञ डॉ. गौरव मित्तल ने बताया कि इस तकनीक से न केवल दक्षिण राजस्थान बल्कि आसपास के राज्यों के मरीजों को भी विश्वस्तरीय कार्डियक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

विधि एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ में मनीष श्रीमाली नियुक्त

उदयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के विधि एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह पूनिया ने मनीष श्रीमाली को विधि एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ, उदयपुर जिला का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके नेतृत्व में प्रकोष्ठ द्वारा आगामी दिनों में विधिक सहायता और मानवाधिकार सुरक्षा के क्षेत्र में सेवाएँ और भी सक्रिय रूप से प्रदान की जाएंगी।

डॉ. कुणावत को रोटरी सम्मान

उदयपुर। रोटरी इंटरनेशनल ने उदयपुर के वरिष्ठ रोटरी सदस्य एवं पूर्व प्रान्तपाल एकेएस डॉ. निर्मल कुणावत को रोटरी इंटरनेशनल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा प्रतिष्ठित 'सर्विस एबव सेल्फ अवॉर्ड' से सम्मानित करने के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान रोटरी इंटरनेशनल द्वारा किसी सदस्य को दिया जाने वाला सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

डॉ. मेहता को राष्ट्रीय जल निर्मलता पुरस्कार

उदयपुर। इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन (आइवा) के 58वें राष्ट्रीय जल सम्मेलन में उदयपुर के डॉ. अनिल मेहता को राष्ट्रीय जल निर्मलता पुरस्कार दिया गया है। डॉ. मेहता विद्याभवन पॉलिटेक्निक के प्राचार्य हैं। यह पुरस्कार भारत के पूर्व जल संसाधन सचिव डॉ. एमए चितले द्वारा स्थापित किया गया है। आइवा के अभियंता के रूप में डॉ. मेहता का सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट, जल सुरक्षा, नदी-झील-तालाब संरक्षण और संपूर्ण जल चक्र पर समग्र दृष्टिकोण है। जल क्षेत्र में उनका नैतिक नेतृत्व और स्वैच्छिक सेवाकार्य प्रेरक है।

मेवाड़ होंडा का शुभारंभ

उदयपुर। होंडा कंपनी ने मादड़ी इंडस्ट्रियल एरिया में मेवाड़ होंडा शो रूम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कंपनी के वाइस प्रसीडेंट कुणाल बहल ने बताया कि अगले पांच वर्षों में होंडा कंपनी 10 नए मॉडल लॉन्च करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि होंडा ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार तैयार की है, जो पूरी तरह से भारत में निर्मित है। उन्होंने कहा कि होंडा का ध्यान सेफ्टी फीचर्स और 'मेक इन इंडिया' पर है। इस दौरान मेवाड़ होंडा के राजेंद्र कुमार मीणा, निखिल शुक्ला, निकिता मीणा, विकास मीणा एवं रामनिवास मीणा आदि उपस्थित थे।

एलाइड मोटर्स पर नई किओ सेल्टोस लॉन्च

उदयपुर। शोभागपुरा स्थित एलाइड मोटर्स शोरूम पर किआ की नई सेल्टोस लॉन्च की गई। निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने फीता काटकर अनावरण किया। पहली कार की चाबी ग्राहक हीरालाल खटीक को सौंपी गई। जनरल मैनेजर सुशील कुमावत ने बताया की नई सेल्टोस आधुनिक तकनीक, बेहतर सेफ्टी और आकर्षक डिजाइन के साथ पेश की गई है।

मनीष ट्रैवल एंड टूरिज्म चेयरमैन नियुक्त

उदयपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से भारतीय व्यापार महोत्सव (बीवीएम 2026) के लिए मनीष गलूंडिया को चेयरमैन ट्रेवल एंड टूरिज्म नियुक्त किया गया है। कैट राष्ट्रीय महासचिव सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने नियुक्ति पत्र दिया। मेला संयोजक विक्रांत अबरोल एवं कैट राजस्थान के वर्किंग प्रेसिडेंट मनोज गोयल ने बताया कि गलूंडिया को यह दायित्व अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं पर्यटन क्षेत्र में सहभागिता को देखते हुए सौंपा।

रोलर खेल संघ कार्यसमिति का पुनर्गठन

उदयपुर। रोलर खेल संघ की साधारण सभा में संघ की कार्यसमिति का सर्वसम्मति से पुनर्गठन किया गया। सभा में संघ के मुख्य संरक्षक पद पर प्रमोद सामर, संरक्षक जालमचंद जैन, चेयरमैन अरविंदसिंह कानावत तथा अध्यक्ष के रूप में पंकज बोराणा का चयन किया गया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर उमेश भारद्वाज को जिम्मेदारी सौंपी गई। उपाध्यक्ष पद पर भूपेन्द्रसिंह धाबाई, विक्रम सिंह राणावत, प्रदीप श्रीमाली एवं शोभा सुराणा को चुना गया। महासचिव पद पर मनजीत सिंह गहलोत, सह सचिव विजेन्द्रसिंह एवं राकेश अरोड़ा तथा कोषाध्यक्ष के रूप में विक्रम सिंह देवड़ा का चयन किया गया। चुनाव एवं पुनर्गठन की प्रक्रिया जिला उदयपुर ओलंपिक संघ के अध्यक्ष विनोद साहू तथा चुनाव अधिकारी एडवोकेट रौनक पुरोहित की उपस्थिति में संपन्न हुई।

पेसिफिक यूनिवर्सिटी में पेसि चौपाटी का आयोजन

उदयपुर। पेसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के मैदान में पेसि चौपाटी का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ एग्जीक्यूटिव शेफ संदीप राय (राफेल्स ग्रुप ऑफ होटल्स) यूबी श्रीवास्तव प्रेसिडेंट होटल एसोसिएशन एवं शेफ विमल धर ने किया। इस अवसर पर राहुल अग्रवाल, प्रोफेसर बीपी शर्मा, प्रोफेसर शरद कोठारी, प्रोफेसर हेमंत कोठारी आदि मौजूद रहे। पेसिफिक होटल प्रबंधन संकाय की ओर से मॉकटेल्स, चाय, राब, आइसोलेटेड कोल्ड ड्रिंक, पास्ता, छोले-कुलचे, मिलेट्स टिक्की, कांजी वड़ा, दही वड़ा, पानी पुरी, पापड़ी चाट, डोनट, डार्क चॉकलेट मूस, आलमंड रॉक्स एवं राइस फिरनी की स्टॉल्स आकर्षण का केन्द्र रही।

जीबीएच में राज अरॉइकॉन-25 कॉन्फ्रेंस

उदयपुर। कैंसर उपचार में रेडिएशन की भूमिका बेहद अहम है और सटीक रेडिएशन तकनीक कैंसर रोगियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अत्याधुनिक रेडिएशन मशीनों के उपयोग से कम समय में प्रभावी इलाज संभव हो रहा है और साइड इफेक्ट्स का खतरा भी काफी हद तक कम हुआ है। यह बात भुवनेश्वर से आए कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.एन. सेनापति ने कही। वे जीबीएच कैंसर हॉस्पिटल, उदयपुर एवं एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजी ऑफ इंडिया (एआरओआई), राजस्थान चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कैंसर कॉन्फ्रेंस राज अरॉइकॉन-25 में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को विश्वविख्यात कैंसर विशेषज्ञ एवं चेयरमैन डॉ. कीर्ति जैन ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि अब तक 200 से अधिक प्रकार के कैंसर पर शोध हो चुका है और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। डॉ. जैन ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर एकमात्र ऐसा कैंसर है, जिसका बचाव और उपचार संभव है।

किक बॉक्सिंग में छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

उदयपुर। सीबीएसई अस्मिता द्वारा गंगानगर में आयोजित किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सीडलिंग मॉडर्न पब्लिक स्कूल, सापेटिया की दो छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन किया। नविष्ठा कुमावत एवं छवि कुमावत ने जूनियर वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। विद्यालय के चेयरमैन हरदीप बख्शी ने इस उपलब्धि पर छात्राओं को बधाई दी। प्रधानाचार्य शिखा कुलश्रेष्ठ ने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों के प्रति प्रेरित करेगी।

डॉ. ऋतु सम्मानित

उदयपुर। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 की कोटा में आयोजित कॉन्फ्रेंस में रोटरी में उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए डॉ. ऋतु वैष्णव को सर्विस ऑफ एवेन्यू अवार्ड से सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब उदयपुर उदय के अध्यक्ष राघव भटनागर ने बताया कि डॉ. ऋतु वैष्णव को मिला यह सम्मान क्लब के लिए गर्व का विषय है।

गोगुंदा में बाबा रामदेव मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा

उदयपुर। गोगुंदा में बाबा रामदेव के नव निर्मित मंदिर का भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 7 फरवरी को सम्पन्न हुआ। प्रथम दिन 6 फरवरी को वैदिक मंत्रों के साथ धार्मिक अनुष्ठान हुए। इसके बाद वरघोड़ा निकाला गया, जिसमें 25 घोड़े, 1 ऊंट एवं सजा-धजा रथ आकर्षण का केंद्र रहे। विशाल भजन संध्या में मनीष परिहार, किशोर पालीवाल व दिव्या वैष्णव ने भक्तिपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। दूसरे दिन हवन एवं मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कर स्थापना की गई। बाद में 5121 कलशों की विशाल शोभायात्रा महाराणा प्रताप राजतिलक स्थली से एनएच 27 स्थित मंदिर प्रांगण तक निकाली गई, जिसमें महिलाएं सिर पर कलश धारण कर पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुई। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत हुआ। इसके पश्चात महाप्रसादी हुई।

संत सानिध्य: बालकनाथ महाराज ढ़ालोप धूणी, तुलसीदास महाराज मुनि आश्रम नान्देशमा, मगननाथ महाराज कुचौली-नाथद्वारा व जरगा धूणी नया स्थान, भूरदास महाराज भारोड़ी मंदिर तथा वनदास महाराज कबीर आश्रम गादिपती (गोगुंदा)।

विशेष उपस्थिति: कार्यक्रम में एडवोकेट डी.सी. मेघवाल, गोर्वधन, गागुलाल, भगवानलाल, नाथूलाल, दुर्गालाल, प्यारचंद, वक्ताराम, भंवरलाल, भूपेंद्र, रोशनलाल, किशनलाल, राजुलाल, कन्हैयालाल, शिवलाल, दौलतराम, प्यारचंद, किशनलाल और बंशीलाल मेघवाल सहित समाज जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को कांग्रेस नेता लाल सिंह झाला, पूर्व मंत्री डॉ. मांगी लाल गरासिया, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष पुष्कर तेली व विधायक प्रताप गमेती ने भी संबोधित किया। इस दौरान पूर्व जिला प्रमुख शांति लाल मेघवाल, सायरा की पूर्व प्रधान मीरा मेघवाल, गोगुंदा की पूर्व प्रधान तुलसी मेघवाल, पूर्व उपप्रधान पप्पू राणा भील, भाजपा गोगुंदा मंडल अध्यक्ष निखिल कोठारी, पंचायत समिति सदस्य दिलीप गमेती, पूर्व सरपंच नाहर सिंह देवड़ा, चैन सिंह चदाना, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राम सिंह चदाना, पूर्व उपसरपंच लालकृष्ण सोनी, ओबीसी प्रकोष्ठ के सुरेश लोहार, ज्ञान ज्योति संस्थान के राहुल मेघवाल, जरगा जी जूना स्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष किशन मेघवाल, पूर्व सरपंच किशन मेघवाल, राम लाल मेघवाल व भंवर लाल मेघवाल सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

डॉ. लक्ष्यराज की पीएम से भेंट

उदयपुर। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने गत दिनों सपरिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली में भेंट की। इस दौरान पीएम ने मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास के पुरोधा बप्पा रावल से लेकर महाराणा सांगा, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जैसे वीरों की राष्ट्र भक्ति, आदर्श जीवन मूल्यों को भारत की धरोहर और प्रेरणा बताया। डॉ. लक्ष्यराज ने पीएम को सिटी पैलेस आने का न्योता दिया, जिसके लिए पीएम ने उनके प्रति अपनत्व प्रकट किया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह ने पीएम को उनके नेतृत्व में प्रगतिशील एवं सशक्त भारत की दुनिया में स्थापित नई पहचान के लिए शुभकामनाएं दी।

रविन्द्र श्रीमाली दूसरी बार अध्यक्ष

उदयपुर। श्रीमाली समाज संस्कार भवन संपत्ति व्यवस्था ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर रविन्द्र श्रीमाली लगातार दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित हुए। पूर्व कार्यकाल में उनके नेतृत्व में संस्कार भवन का उल्लेखनीय विकास हुआ, जिससे यह भवन समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पुन: निर्वाचित होने पर श्रीमाली ने ट्रस्टियों सहित समाज के प्रबुद्धजनों का आभार व्यक्त करते हुए भवन के निरंतर विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने दूसरी पारी की शुरुआत में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की, जिनमें संस्कार भवन को केन्द्र सरकार की उज्जवला योजना से जोड़ते हुए सोलर पैनल स्थापना, पानी की टंकी निर्माण तथा लिफ्ट का कार्य शीघ्र कराना शामिल है।

डॉ. कटारा उप्र प्रभारी नियुक्त

उदयपुर। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. विवेक कटारा को उत्तर प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

साहित्यकार अलका पांडे का सम्मान

मावली। मुम्बई की साहित्यकार एवं अखिल भारतीय अग्निशिखा मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अलका पांडे का गत दिनों मेवाड़ी परंपरा अनुसार मावली में सम्मान हुआ। साहित्यकार बसंत कुमार त्रिपाठी ने डॉ. अलका पांडे को मेवाड़ी पगड़ी, उपरना एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर युग सेवा श्री सम्मान से सम्मानित किया। डॉ. अलका पांडे ने मेवाड़ की परंपरा, सभ्यता एवं संस्कृति की प्रशंसा की।

मीनाक्षी संगठन महासचिव

उदयपुर। देहात जिला महिला कांग्रेस में संगठन महासचिव पद पर मीनाक्षी सुथार को मनोनीत किया गया। मीनाक्षी बड़गांव की उपसरपंच रच चुकी हैं। वे कई सामाजिक संगठनों में भी विभिन्न पदों पर कार्य कर चुकी हैं।

सेंट मैथ्यूज स्कूल में खेल दिवस

उदयपुर। सेंट मैथ्यूज स्कूल में वार्षिक खेल दिवस आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में बैलेंस द बॉल रेस, हूला हूप रेस, बैग पैक रेस सहित कई रोमांचक प्रतियोगिताएं ओयाजित हुई, जिसमें विद्यार्थियों की गति, संतुलन और टीम वर्क देखने को मिला। विद्यालय निदेशिका ग्लोरी फिलिप ने विजेता विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।

फिरोज अहमद बने जिला वक्फ बोर्ड प्रवक्ता

उदयपुर। राजस्थान मुस्लिम वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. खानू खान बुधवाली के निर्देशानुसार उदयपुर जिला वक्फ बोर्ड अध्यक्ष मोहम्मद सलीम शेख ने पूर्व पार्षद फिरोज अहमद शेख को उदयपुर जिला वक्फ बोर्ड के प्रवक्ता पद पर मनोनीत किया है।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। कर्नल अजीत सिंह जी राठौड़ ठिकाना रूपाहेली का 17 जनवरी को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र दीपक सिंह व कैप्टन वैभव सिंह, पौत्र सिद्धांत सिंह, मान सिंह व उम्मेद सिंह सहित चाचा, भाई-भतीजों, भानजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सुरेंद्र सिंह जी तलेसरा का 21 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती इंदु देवी, पुत्र सन्नी तलेसरा, पुत्री श्रीमती सोनाली नाहर सहित पौत्र, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों, बहिनों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री चंद्रकुमार जी काबरा का 26 जनवरी को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र विरेंद्र, राकेश, राजकुमार, गिरिराज व मंगल काबरा, पुत्री श्रीमती भारती हेड़ा, भाभी शांता देवी एवं पौत्र-पौत्रियों, दोहित्री व भानेज-भानजियों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। उद्यमी एवं समाजसेवी श्री सम्पत जी मोगरा का 29 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती विमला देवी, पुत्र विनय व पंकज, पुत्री श्रीमती अनिता नलवाया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों, भानेज का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती जमना बाई गोयल धर्मपत्नी स्व. अमृल लाल जी का 30 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र राजेंद्र कुमार, विनोद कुमार, पुत्रियां श्रीमती आशा राखेचा, सुनीता गहलोत व किरण गहलोत, दोहित्र-दोहित्रियों व पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। उद्यमी एवं समाजसेवी श्री सुनील जी मट्ठा (73) का संथारा सहित 28 जनवरी को मुम्बई में देहावसान हो गया। उदयपुर में 1 फरवरी को श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता देवी, पुत्र श्रेयांश व पुत्री सम्प्रति, पौत्र-पौत्री, दोहित्र सहित भाई-भतीजों व बहिनों का समृद्ध परिवार

उदयपुर। उद्योगपति श्री के. मुरली केशव राव जी का 14 जनवरी को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती अनुराधा देवी, पुत्र के.वी. रमेश, पुत्री श्रीमती मैथिली, दोहित्री श्रुति, श्रिया, पौत्री मनस्वी, राजस्वी व भाई-भतीजों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

उदयपुर। समाजसेवी उद्योगपति श्री ओंकार सिंह जी सिरोया का 9 फरवरी को संथारा पूर्वक देवलोकगमन हो गया। उनकी आयु करीब 80 वर्ष थी। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र हेमेंद्र, पुत्रियां श्रीमती पूर्वी चोरड़िया, हिमा सिरोया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री कैलाश चंद्र जी अग्रवाल (आमेट वाले) का 11 जनवरी को देवलोक गमन हो गया। श्री वैष्णव अग्रवाल पंचायत उदयपुर ने अपने पूर्व अध्यक्ष के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र अश्विन, पुत्रियां श्रीमती चंदा, सीमादेवी, किरण देवी व शिल्पा देवी, पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों सहित भाई-भतीजों व बहिनों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री बंशीलाल जी व्यास (कुण्डई वाले) का 23 जनवरी को वैकुण्ठवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती नक्षत्री देवी, पुत्र हितेष व्यास, पुत्रियां श्रीमती मधु व मोनिका, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री व भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कांता देवी जी (धर्मपत्नी श्री ऋषभलाल जी जावरिया) का बैकुण्ठगमन 7 फरवरी को हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पति, पुत्र मुकेश, राजेश, जिनेश व विशाल, पौत्र-पौत्री एवं जेठ-देवर का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री गणपत लाल जी वर्मा का 21 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र दिनेश व हनीश, पुत्री योगिनी वर्मा, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री सहित भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती शायर देवी जी मेहता (धर्मपत्नी स्व. श्री बसंतीलाल जी मेहता) का 9 फरवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र सुनील, पंकज, पुत्री श्रीमती अनिता जारोली, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं जेठ-देवर का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

SayLuss Medicare
Health Care at your Doorstep
HEAL AT HOME
CERTIFIED ISO 9001:2015 COMPANY
बुजुर्गों एवं बीमारों की सेवा के लिए सहायककर्मी (पुरूष / महिला)।
डॉक्टर और फिजियोथेरेपी ऑन कॉल।
एम्बुलेन्स सुविधा (साधारण / क्रिटीकल)।
गंभीर बीमार की घर पर ICU नर्सिंग केयर।
7665545555
www.saylussmedicare.com
Udaipur | Bhilwara

Pankaj Gautam
+91-97832-62618

Happy Holi

Jitesh Gautam
+91-98281-41898

Poonam
FURNITURE UDYOG

Mfg.: Sofa, Dining, Double Bed, Dressing Table, etc.
Mark: All types of Steel, Wooden, PLB,
Metal & Moulded Furniture,
(Specialist in: Turnkey Projects, Hopsital,
Colleges, Hotels Etc)

Showroom: Sec.5, Opp, P&T Colony,
Paneriyon ki Madri, Udaipur (Raj.)

Works at:
Unit 1: Eklingpura Road, Near Power House, Udaipur- 313002 (Raj.)
Unit 2: Opp. Hotel Ummed Villa, Titardi, Udaipur (Rajasthan) India
Website: www.poonamfurniture.com/Email: poonamfurnitureudyog@yahoo.in

अनुष्का एकेडमी

Dr. S.S.Surana
FOUNDER
Dr. Anushka Group of Institutes

उदयपुर संभाग का सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान

आज ही जुड़कर कीजिये अपनी सफलता सुनिश्चित

Smt. Kamla Surana
CHAIRPERSON
Dr. Anushka Group of Institutes

UPSC | RAS | BANK | SSC | CLAT
CET | राज. पुलिस SI | LDC | राज. पुलिस कॉन्सटेबल | 2nd & 3rd Grade शिक्षक

HIRAN MAGRI, SECTOR 3, NEAR SEWASHRAM BRIDGE,UDAIPUR
8233223322 | 8233033033 | 7340019191

ARAVALI
GROUP - INDIA

AN ISO 9001:2008
Certified co.

Aravali Minerals & Chemical Industries Pvt. Ltd.

Quarry Owner, Processor, Exporter and Supplier of Indian Onyx, Marbles, Granites & other Natural Stones from Udaipur

MINERAL STONE CONSTRUCTION

Aravali Group ... at a glance

- A wonder of nature- the Onyx Marble of Aravali, is most sought after by Architects and Master builders from all over the world for its distinct creamy white and subtle pink colors embellished with nature's own patterns.
- Aravali Onyx, with its fine grain texture and translucency, symbolises supreme luxury, extreme sensitivity and a high degree of aesthetics.
- Aravali Minerals & Chemical Industries is proud to uncover and present before connoisseurs across the globe, this dplendour of nature.

6 Continents 36 Countries, More then 400 Customers

B-132, Mewar Industrial Area, Madri, Udaipur-313003
Tel: 2490675, 2491357, 2491675
OFFICE:SP-1, Udhyog Vihar, Sukher, Udaipur-313003
E-mail: aravali.sunil@yahoo.com, aravali1975@gmail.com
Website: www.aravalionyx.com

PMCH HEALTH ADVISORS

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

NABH H-2024-1409

नि:शुल्क

मार्च 1 2026 से मार्च 31 2026

समय: प्रात 9.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

चिकित्सा परामर्श, जाँच, भर्ती एवं ऑपरेशन शिविर

- नि:शुल्क परामर्श (सुपर स्पेशलिटी सेवाओं पर लागू नहीं)
- नि:शुल्क रक्त एवं मूत्र की जाँच
- नि:शुल्क वार्ड में भर्ती
- नि:शुल्क ECG, X-Ray, इकोकार्डियोग्राफी मैमोग्राफी
- CT Scan, मात्र ₹1500/- MRI - मात्र ₹3000/-
- नि:शुल्क सभी तरह के ऑपरेशन
- नि:शुल्क बच्चेदानी का ऑपरेशन

नि:शुल्क लेजर व सामान्य ऑपरेशन

- बवासीर (पाईल्स) • फिशर • फिस्टुला
- पायलोनिडल साइनस
- हर्निया (फर्स्ट टाइम केस) • अपेंडिक्स एवं गठान
- गॉलब्लैडर (पित्त की थैली) की पथरी

नि:शुल्क डिलीवरी (सामान्य एवं सिजेरियन)

गर्भधारण से डिलीवरी तक आपके एवं शिशु के सम्पूर्ण ईलाज की नि:शुल्क सुविधा (जाँच एवं दवाईयों सहित)

डिलीवरी के 2 माह पूर्व पंजीकरण कराने पर प्राईवेट रूम की नि:शुल्क सुविधा

रजिस्ट्रेशन अनिवार्य 9828144314

मेडिसिन विभाग	सर्जरी विभाग	अन्य विभाग
मस्तिष्क रोग विभाग	मूत्र रोग सर्जरी विभाग	नाक-कान-गला रोग विभाग
हृदय रोग विभाग	कैंसर रोग सर्जरी विभाग	वक्ष एवं क्षय रोग विभाग
पेट एवं लीवर रोग विभाग	पेट एवं लीवर रोग सर्जरी विभाग	बाल एवं शिशु रोग विभाग
कैंसर रोग विभाग	बाल एवं नवजात शिशु सर्जरी विभाग	ऑर्थो एवं स्पाइन विभाग
मधुमेह, थायराइड एवं हार्मोन रोग विभाग	जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग	स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग
जनरल मेडिसिन विभाग	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग	मनो चिकित्सा विभाग
गुर्दा रोग विभाग		नेत्र रोग विभाग
		चर्म रोग विभाग

अंबेरी पुलिया से पेसिफिक हॉस्पिटल बेदला के लिए आने एवं जाने के लिए मरीजों को नि:शुल्क वाहन की सुविधा

*नियम व शर्तें लागु। *दवाईयां, इम्प्लांट एवं कन्ज्यूमेबल अतिरिक्त

IVF@₹70,000* इंजेक्शन सहित

*नियम व शर्तें लागू।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना | RGHS | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC | जननी सुरक्षा योजना JSY

योजनाओं एवं सभी इंश्योरेंस एवं TPA के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

24/7 सुविधाएँ उपलब्ध

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, एन.एच.-27, प्रताप पुरा, अम्बेरी, उदयपुर - 313011 (राजस्थान)

फोन : 8690541110

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 23 अंक 11, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001